प्रेरणा स्रोत
स्व. श्री यशवंतजी घोड़ावत

RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ... सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

हर एक आत्मा अपने आप में ही सर्वज्ञ और आनंदित है, आनंद कभी बाहर से नहीं आता।

महावीर स्वामी

वर्ष-05, अंक - 35 (साप्ताहिक) | खवासा, गुरुवार 01 जून 2023 | पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

बालु रेत का काला खेल.... झाबुआ से लेकर भोपाल तक सब रेलम पेल

प्रशासनिक कार्रवाई ढकोसला, आलीराजपुर-झाबुआ से लेकर ठेठ भोपाल तक माफिया राज

विशाल और गुल्लु का मैनेजमेंट, बाकी सब बौने और नतमस्तक

माही की गूंज, संजय भटेवरा

झाबुआ। जिले में इन दिनों रेत माफियाओं और प्रशासन के बीच जुतम पैजार चल रही है। प्रशासन आधी रात को कार्रवाई करता है तो माफिया अधिकारियों पर लाखों की अवैध वसूली के आरोप लगाते दिखाई पड़ रहे है। तो अधिकारी भी अपना पक्ष रखते हुए माफियाओं को जवाब दे रहे है। यह झाबुआ के इतिहास में शायद पहला ही मौका होगा जब इस तरह का घटना क्रम सामने आया है। इस पूरे मामलें में कौन गलत और कौन सही यह मुद्दा कोताहल का विषय बना हुआ है। हालांकि यह कोई नई बात नहीं है कि अलीराजपुर जिले से अवैध रेत का परिवहन करते वाहन झाबुआ से होकर गुजर रहे है। रेत माफियाओं के परिवहन का यह सिलसिला वर्षों नहीं दशकों पुराना है। हां यह जरूर है कि प्रशासन अपनी खानापुर्ति के लिए कभी कदार इन अवैध रेत माफियाओं पर कार्रवाई करता है, लेकिन समय बीतने के साथ ही स्थितियां जस की तस बनकर रह जाती है। ऐसा भी नही है कि इस तरह के प्रशासनिक ढकोसलों पर किसी की नजर नहीं रहती, मीडिया हमेशा इनसे जुड़ी खबरों को उठाता रहता है। कभी प्रशासन के पक्ष में माफियाओं पर कार्रवाई की खबरें लीड स्टोरी बन जाती तो कहीं-कहीं बड़े-बड़े मामलों में सुगबुगाहट तक नही होती। खैर देर सवेर दोनों ही ओर से मैनेजमेंट की कहानी सामने आती रही है।

पिछले दिनों झाबुआ-अलीराजपुर जिले की सीमा पर एक मामला सामने आया। मामले ने इतना तूल पकड़ा कि, माफियाओं और प्रशासनिक अधिकारियों के बीच की कहानी को शंका के घेरे में लाकर खड़ा कर दिया। हम यहां किसी भी बात की पुष्टि नहीं करते मगर इस सारे घटनाक्रम में उठने वाले सवाल बहुत है। जैसे क्या रेत माफिया पर हुई कर्रवाई उस बीजेपी नेता पर होने वाली पहली कार्रवाई थी...? आखिर भदु पचाया को इस मामले में क्यों प्रेस कांफ्रेंस करनी पड़ी...? अधिकारियों को तो यूं भी टूकड़े डाले जाते है तो फिर क्या कारण था कि, पचाया ने एसडीएम पर लाखों की वसूली के आरोप लगाए...? माना कि, कार्रवाई करने के निर्देश उपर से थे, मगर अधिकारी इतने सजग कब से होने लगे कि. रात 2 बजे कार्रवाई करने को उतावले हुए...? और तो और कहानी के अनुसार इतना रिस्क उठाया कि तेज रफ्तार रेत से भरे डम्फर का अपनी छोटी सी कार से जान जोखिम में डालकर पीछा किया...? सवाल तो यह भी है कि इस दौर में इतने कर्तव्य निष्ठ अधिकारी भी है जो दिन तो दिन रात में भी अपने कर्तव्य के प्रति इतने सजग है। या फिर मामला कुछ और ही है... ! क्योंकि झाबुआ जिले में जब भी ऐसे अधिकारी आए है यह इतिहास रहा है कि वे सिर्फ अपनी जेबें भरने के लिए इतने उतावले होते थे कि दिन हो या रात वह अपने जेब भरने के लिए कोई मौका नहीं छोड़ते थे। हांलाकि इस मामले की हकीकत पर किसी तरह का कोई सवाल नहीं है, लेकिन करने के लिए बातें तो है... और रहेंगी। हालांकि यहां प्रमाण के तौर पर दोनों ही पक्षों ने बहुत कुछ सामने रखा। मगर कौन सही और कौन गलत यह अब भी पहेली है।

अगर अलीराजपुर और झाबुआ जिले में रेत माफियाओं के इतिहास को देखें तो प्रशासन की इस तरह की कार्रवाई पर यह कहा जा सकता है कि, प्रशासन ''मू... में मछली मारने'' का काम कर रहा है। क्योंकि प्रशासन इन माफियाओं के बारे में शायद ही वह सब कुछ जानता है जो असल में है। चूंकि माफिया, प्रशासन की परिकल्पना से बहुत आगे और बहुत आगे तक है। इतना आगे तक कि प्रशासन का ही कद छोटा पड़ जाए। मध्यप्रदेश के इस पश्चिमी छोर के दोनों ही पिछड़े जिलों के माफियाओं की पहुंच इतनी है कि, यह यहां से भोपाली गलियारों तक आसानी से पहुंच व रसूख रखते है। ऐसा इसलिए भी है कि बालु रेत की अकूत काली कमाई की एक धारा भोपाल के गलियारों तक भी पहुंच रही है और इन्ही भोपाली नेताओं का इन माफियाओं को खुला संरक्षण है। अब जब मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान खनिज माफियाओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की बात करते है तो यह खुलेआम दौगला पन नजर आता है।

क्यूआर कोड स्केन कर सुने वायरल ऑडियो जिसमें रेत माफियाओं की लडाई में उजागर हो रहे कई भाजपाई नेताओं के नाम।

इन अति पिछड़े जिलों से माफियाओं का भोपाली कनेक्शन पिछले वर्ष सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक ऑडियों ने इस तरह उजागर किया कि माफियाओं की आपसी में तालमेल नही बैठ पाने के चक्कर में जिले से लेकर प्रदेश स्तर तक के भाजपा नेताओं के नाम इस ऑडियों में गूंजते नजर आए। हालांकि इस ऑडियों से यह भी साफ होता है कि स्थानीय स्तर पर यहां के नेता और दल्ले किस तरह से रेत माफियाओं से उगरानी करते है और कितना रसूख इनका कि जिले से लेकर भोपाल तक के नेताओं को अपने आगे नहीं गिनते। ऑडियो में बताए गए कुछ केरेक्टर तो ऐसे है जो पर्दे के पीछे से काम करते लेकिन ध्यान सबका रखते। चाहे नेता हो, पुलिस हो, प्रशासनिक अधिकारी हो या पत्रकार यही सबकी सेवा चाकरी करते और इतनी करते कि आमजन इसकी कल्पना भी नहीं कर सकते।

कुल मिलाकर रायता अलीराजपुर-झाबुआ से लेकर भोपाल तक ढुला हुआ है और हर कोई अपने-अपने हिस्से का चाट भी रहा है। मगर प्रशासानिक अधिकारियों की कार्रवाई इन सबके बीच ऐसा नजर आती जैसे शैरों के शिकार पर गीदड़ डरा सहमा बार-बार झपट्टे मारता है और यही वह कारण है जिससे माफियाओं और प्रशासनिक अधिकारियों पर आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला शुरू होता है।

पिछले साल वायरल हुए इस ऑडियो में किसी विवाद को लेकर आपसी चर्चा हो रही है। इसी विवाद के कारण माफियाओं की एक बैठक होना थी जो जोबट विधायक के सुपुत्र विशाल रावत की सरपस्ती में होना थी। मतलब पहला नाम जोबट विधायक के सुपुत्र विशाल रावत का इस ऑडियों में सामने आता है। उसके बाद झाबुआ जिले के पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष, भाजपा के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य शैलेष दुबे और पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा का नाम भी गूंजता है। इसके साथ-साथ अलीराजपुर जिले के महेश पटेल, भदु पचाया और शंकर बामनिया जैसे नेताओं के नाम भी सामने आते है। और इन सब का कारण बनता है एक केरेक्टर गुल्लु उर्फ गुल्लु कुरैशी। गुल्लु यही वह नाम है जो पर्दे के पीछे खड़े रहकर सारा मैनेजमेंट सम्भालता है। स्थानीय नेताओं के संरक्षण के कारण बहुत ज्यादा पॉवर में भी है। हर तरह की सेंटिंग में माहिर गुल्लु, रेत की निकलने वाली तमाम गाडियों से अवैध उगरानी करता और उसके बाद नीचे से लेकर उपर तक बंदरबाट होती है। गुल्लु के बारे में जो लोग जानते है वे बताते है कि, यह बड़ा ही शातिर दिमाग है। अलीराजपुर और झाबुआ जिले के रसूखदार नेताओं का इसे खुला संरक्षण प्राप्त है। मीडिया मैनेजमेंट के नाम पर सिखंडी पत्रकारों को वीआईपी चार पहियां वाहन गिफ्ट करना इसके लिए मामूली सी बात है। जिले में सिखंडी पत्रकारों के सड़क पर दौड़ते वीआईपी वाहन इसका खुला प्रमाण है। इन सिखंडी पत्रकारों के जनता की आवाज उठाने के ढकोसले शायद इसी तरह की काली कमाई से पूरे होते है। माफियाओं के खिलाफ इनकी आवाज कभी बिल्ली की तरह भी नहीं निकलती। क्योंकि गुल्लु जैसे दल्लों ने अपनी काली कमाई के काले गुलाब जामुन इनके मुंह में इस कदर ठूंस दिए है कि अब यह इनके खिलाफ चूं भी नहीं कर सकते। इस बात से यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि गुल्लु इस बालु रेत के काले खेल से कितनी काली कमाई करता होगा। जो स्थानीय नेताओं के साथ -साथ भोपाली नेताओं की भी पुर्ति कर देता है। बताने वाले बताते है झाबुआ शहर की एक कॉलोनी में गुल्लु का करोड़ों रुपये का एक बंगला भी है जहां यह दल्ला वर्तमान में निवासरत है। गुल्लु का आतंक इतना है कि जो रेत कारोबारी ईमानदारी से रायल्टी चुका कर रेत अपने वाहनों से परिवहन करते वह भी इससे परेशान है। रौबदार और धमकीबाज गुल्लु इनसे भी अवैध वसूली खुलकर करता है। वायरल ऑडियों से यह भी पता चलता है कि पुलिस और प्रशासन की जगह गुल्लु नाकेबंदी कर रेत की गाडियों से अवैध वसूली करता है। इसी ऑडियों के हिस्से में बाहर के रेत व्यापारियों से लाखों रुपये की महिना बंदी की बात भी सामने आई है और इसी के बदले गुल्लु इन बाहरी रेत माफियाओं को संरक्षण का वादा भी करता है। ऑडियो में विशाल रावत और गुल्लु के घनिष्ठ संबंधों की भी बहुत बार चर्चा हुई है। गुल्लु को झाबुआ में शैलेष दुबे के संरक्षण और शैलेष दुबे को वीडी शर्मा के संरक्षण को लेकर भी बातचीत आसानी से सुनी जा सकती है। कुल मिलाकर इस पूरे ऑडियों में अलीराजपुर और झाबुआ जिले के कई बड़े और रसूख रखने वाले नाम सामने आए है। इनमें से अधिकतर भाजपा से जुड़े नेताओं के नाम है, कुछ नाम कांग्रेसियों के भी है। झाबुआ-अलीराजपुर जिले के यह सारे नेता अपने आपमें बड़ी तोप कहलाते है। इन सबके बीच पूर्व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष का नाम घसीटा जाना सोने पर सुहागा है। वर्तमान स्थिति में अब जिला प्रशासन की रेत माफियाओं से जूतम पैजार को क्या समझा जाए। एक तरफ तो मुख्यमंत्री खुद खनन माफियाओं पर कार्रवाई करने के निर्देश देते है, मगर वहीं इन खनन माफियाओं के तार भाजपा और प्रदेशाध्यक्ष तक जुड़े मिलते है। कहीं ऐसा तो नही कि भाजपाई, माफियाओं के मकड़जाल में जिला प्रशासन उलझ कर रह जाए। देखा जाए तो प्रदेश को करोड़ों का चूना लगाकर भाजपाई रेत माफिया अपने करोड़ों के बंगले तान रहे है।

निरंतर.... (गुल्लु के काले कारनामे, वो महिन्द्रा की काली गाड़ी किसकी, गुल्लु के भाई के उदयगढ़ में पत्रकार की पाटनरी में चल रहे जुएं के क्लब, गुल्लु का भतीजा सिखंडी पत्रकार के साथ सीख रहा पत्रकारिता, पत्रकार होने का करता है दावा, मस्जिद पर गुल्लु ने किया था दावा आदि अन्य और भी बहुत कुछ)

उग्रवादियों को भेजे गए लूटे हुए हथियार, क्या आतंकी हमले की रची जा रही साजिश...?

नई दिल्ली, एजेंसी। मणिपुर सांप्रदायिक हिंसा की आग में जल रहा है। स्थिति को संभालने के लिए सेना को उतारना पड़ा लेकिन अशांत मणिपुर के लिए ये सभी प्रयास नाकाफी साबित होते दिखाई दे रहे हैं। इस बीच खुफिया एजेंसियों की चेतावनी से आशंकाएं बढ़ गई हैं। बताया जा रहा है कि, अशांत मणिपुर में हजारों हथियार लूट लिए गए हैं। इंटेलिजेंस को डर है सीमा पर कर हथियार म्यांमार में आतंकवादी समूहों के हाथों थमाए जा सकते हैं। एक न्यूज रिपोर्ट में दावा किया गया है कि, प्रशासन का मानना है कि राज्य में कम से कम 4 हजार हथियारों को लूट लिया गया हैं। कारतूसों की संख्या अभी तक नहीं गिनी गई है। रिपोर्ट के अनुसार, अशांति के दौरान राज्य के विभिन्न गोदामों, विभिन्न बलों के शस्त्रागार से हथियार लूटे गए थे। यह जानने में अभी भी हफ्ता लगेगा कि कितने हथियार और कारतूस लूटे गए।

चोरी हुए 4000 हथियार...?

रिपोर्ट के मुताबिक कि एमआई 16 राइफल्स, सबमशीन बंदूकें, कार्बाइन और परिष्कृत पिस्तौल सहित एके सीरीज के हथियार चोरी हो गए। रिपोर्ट में मणिपुर के एक शीर्ष अधिकारी के हवाले से यह बात कही गई है। उन्होंने कहा, ऐसी आशंका है कि लूटे गए हथियार म्यांमार में उग्रवादी समूहों के हाथ पहुंच रहे हैं। यह सबसे डरावनी बात है। कोई कौम 4 हजार हथियार छुपा नहीं सकती। खबर है कि, म्यांमार समूह को इसमें कुछ हथियार मिले हैं। हथियारों का इस्तेमाल सुरक्षाबलों को निशाना बनाने और कानून-व्यवस्था को बाधित करने के लिए किया जा सकता है।

एक अन्य केंद्रीय एजेंसी के अधिकारी ने भी मीडिया के पत्रकार को यही बात बताई। गुप्तचरों को जानकारी मिली है कि, मणिपुर में अशांति में शामिल कुछ समूहों के उग्रवादी संगठनों से संबंध हैं और उन्हें यह भी पता चला है कि राज्य में अशांति के दौरान कुछ लोगों को ट्रेनिंग के लिए म्यांमार भेजा गया था।

क्या है आतंकी हमले की साजिश...?

साम्प्रदायिक हिंसा की लपटों को कम करने के लिए प्रशासन ने तमाम प्रयास किए हैं। सरकारी आर्थिक सहायता की भी घोषणा की गई है। ऐसे में भारी मात्रा में हथियारों की चोरी को लेकर प्रशासन चिंतित है। क्या मणिपुर की आग को जलाए रखने के लिए चोरी के हथियारों का इस्तेमाल मणिपुर के लोगों के खिलाफ किया जाएगा...? अब इस सवाल का जवाब पूर्वोत्तर का छोटा सा राज्य ढूंढ रहा है।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सिसोदिया के खिलाफ केस चलने के लिए पर्याप्त साक्ष्य

नई दिल्ली, एजेंसी। अदालत ने दिल्ली आबकारी नीति मामले से जुड़े मनी लॉनिंड्रग मामले में पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया व अन्य के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दायर पूरक आरोपपत्र पर संज्ञान लिया। अदालत ने कहा पेश साक्ष्यों के आधार पर मुकदमा चनाने के पर्याप्त साक्ष्य है। अदालत ने उन्हें समन जारी कर एक जून को पेश करने का निर्देश दिया है। राउज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश एम के नागपाल ने पूरक आरोप पत्र पर संज्ञान लेने के बाद सम्मन जारी किया। ईडी ने यह पूरक आरोपत्र 4 मई को दाखिल किया था। पूरक चार्जशीट में ईडी ने आरोप लगाया है कि अपराध की कार्यवाही से आरोपी मनीष सिसोदिया की गतिविधियों से 622 करोड़ की कमाई हुई है। पूरक आरोप पत्र विशेष लोक अभियोजक नवीन कुमार मट्टा ने दायर किया था। पूरक प्रभार में 2 हजार 100 से अधिक पृष्ठ हैं। परिचालन भाग में 271 पृष्ठ हैं। ईडी ने सिसोदिया को इस मामले में नौ मार्च को गिरफ्तार किया था। इससे पहले उन्हें सीबीआई ने 26 फरवरी को गिरफ्तार किया था। वह इस मामले में गिरफ्तार किए गए 29वें आरोपी हैं। सीबीआई इस मामले में चार्जशीट पहले ही दाखिल कर चुकी है। सीबीआई मामले में उनकी जमानत हाईकोर्ट ने मंगलवार को खारिज कर दी थी। मनी लॉनिंड्रग मामले में उनकी जमानत हाई कोर्ट में लंबित है।

हैवान ही नहीं शातिर भी है साहिल, सबूत जुटाने में पुलिस के छूट रहे पसीने

नई दिल्ली। दिल्ली की रहने वाली साक्षी अब इस दुनिया में नहीं है। उसके परिवार में मातम पसरा है। हैवान साहिल को फांसी देने की मांग उठ रही है। जिस तरह से साहिल ने साक्षी के कत्ल को अंजाम दिया, उसने पूरे देश को झकझोर कर दिया। सीसीटीवी फुटेज पता लगता है कि, साक्षी पर चाकू से ताबतड़तोड़ वार करने वाला साहिल किसी दरिंदे से कम नहीं। लेकिन, दिल्ली पुलिस के सामने साक्षी मर्डर केस में साहिल के खिलाफ सबूत जुटाने में पसीने छूट रहे हैं। अदालत के आदेश पर साहिल दो दिन की पुलिस रिमांड पर था। लेकिन, अभी तक पुलिस हत्या में इस्तेमाल चाकू को बरामद नहीं कर पाई है। पुलिस के सामने चुनौती कड़ी है। सूत्रों से बताया जा रहा है कि, साहिल पुलिस पूछताछ में काफी सख्त नजर आ रहा है। उसने कई सवालों के जवाब देने तक से इनकार कर दिया।

दिल्ली के चर्चित साक्षी मर्डर केस में दिल्ली पुलिस के हाथ हालांकि अभी तक हत्या में प्रयुक्त चाकू नहीं लगा है लेकिन, लगातार नए खुलासे हो रहे हैं। साहिल 15 दिन से साक्षी की हत्या की प्लानिंग कर रहा था। दरिंदे साहिल ने पूरी प्लानिंग के साथ साक्षी की हत्या को अंजाम दिया। जिस कदर इस शैतान ने चाकू और पत्थर से 16 वर्ष की बच्ची पर ताबड़तोड़ वार किए, किसी का भी दिल सहम जाए। साहिल को अपनी करनी पर बिल्कुल भी पछतावा नहीं है। सूत्रों के अनुसार, वह पुलिस को कह रहा है कि उसने साक्षी के साथ जो किया सही किया। साहिल पूछताछ के दौरान इतना सख्त है कि उससे बात निकलवाने में पुलिस के पसीने छूट रहे हैं।

बुधवार को तकरीबन सुबह 4 बजे दिल्ली पुलिस की टीम साहिल को क्राइम सीन लेकर पहुंची। यहां शाहबाद डेयरी इलाके में पुलिस ने क्राइम सीन को रिक्रिएट किया गया। पुलिस सूत्रों का कहना है कि, साहिल बेहद शातिर है और पुलिस को गुमराह करने के लिए अपना बयान लगातार बदल रहा है। कई बातों का खुलकर भी जवाब नहीं दे रहा है। साहिल की मनोदशा और बातों से यह पता लगता है कि उसे अपने किए का बिल्कुल भी पछतावा नहीं है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि साहिल की बातों से एक बात बिल्कुल स्पष्ट है कि वह साक्षी से नाराज चल रहा था, क्योंकि दोनों के बीच कुछ समय से बातचीत नहीं हो रही थी। इस वजह ने साहिल को बैचेन और दरिंदा बना दिया।

पीएफआई पर एनआईए ने कसा शिकंजा

नई दिल्ली, एजेंसी।

एनआईए ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए पीएफआई की संदिग्ध गतिविधियों के मद्देनजर देशभर में छापामार कार्रवाई की है। जानकारी के अनुसार राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने बुधवार को बिहार के फुलवारी शरीफ में प्रतिबंधित इस्लामिक संगठन पीएफआई के एक संदिग्ध मॉड्यूल के खिलाफ अपनी जांच के तहत देशभर में 25 जगहों पर छापेमारी की है। जहां बिहार, केरल और कर्नाटक में पीएफआई के जमीनी कार्यकर्ताओं के यहां छापेमारी की कार्रवाई को अंजाम दिया जा रहा है। वहीं पीएफआई से जुड़े केस में एनआईए की कर्नाटक में 16 जगहों पर छापेमारी जारी है, जिसमें दक्षिण कन्नड़ के कुछ जिले शामिल हैं। वहीं, बिहार के कटिहार में हसनगंज थाना क्षेत्र के युसूफ टोला में पीएफआई नेता मोहम्मद नदवी के रिश्तेदार के यहां एनआईए की टीम पहुंची है। यहां एनआईए टीम पहले भी छापेमारी कर चुकी हैं। गौरतलब है कि हाल ही में, इस केस को लेकर छह लोगों को गिरफ्तार किया गया था और तलाशी के दौरान इनके पास पीएफआई से संबंधित कई आपत्तिजनक लेख और दस्तावेज जब्त किए गए थे।

यह मामला पिछले वर्ष 12 जुलाई को बिहार में पटना जिले के फुलवारीशरीफ पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया था और पिछले वर्ष 22 जुलाई को एनआईए द्वारा फिर से इस केस पंजीकृत किया गया था। अभी तक की एनआईए तफ्तीश के मुताबिक फुलवारी शरीफ मामला पीएफआई से जुड़े आरोपियों, संदिग्ध व्यक्तियों की गैरकानूनी व देश विरोधी गतिविधियों में संलिप्तता से जुड़ा है, जो पटना के फुलवारी शरीफ इलाके में इकट्ठा हुए थे। इस वर्ष 4-5 फरवरी को, एनआईए ने बिहार के मोतिहारी में आठ स्थानों पर भी तलाशी ली थी और दो लोगों को गिरफ्तार किया था, जिन्होंने हत्या को अंजाम देने के लिए हथियार और गोला-बारूद की व्यवस्था की थी। एनआईए ने गिरफतार लोगों की पहचान तनवीर रजा उर्फ बरकती और मोहम्मद आबिद उर्फ आर्यन के रूप में की है। हालांकि उस समय एक लक्ष्य को अंजाम देने के लिए पहले ही रेकी की जा चुकी थी और हथियार एवं गोला-बारूद पीएफआई ट्रेनर याकूब को सौंप दिए गए थे, जो पीएफआई कैडरों के लिए ट्रेनिंग सेशन चला रहे थे। एजेंसी के अनुसार कुछ दिन पहले पीएफआई के ट्रेनर याकूब ने एक भड़काऊ वीडियो फेसबुक पर पोस्ट किया था, जिसका उद्देश्य शांति और सांप्रदायिक सद्भाव को बिगाड़ना था।

एनआईए ने कहा था, 'फेसबुक के अन्य यूजर्स ने इस पोस्ट पर टिप्पणी की थी और इसे अपमानजनक रूप से ट्रोल किया था। फरार आरोपी याकूब और दो गिरफ्तार आरोपियों ने उनमें से कुछ की पहचान की थी और उनकी हत्या को अंजाम देने की साजिश रची थी।' तब एनआईए ने अपने बयान में कहा था कि एक पीएफआई मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया गया है, जो सांप्रदायिक सद्भाव को बाधित करने के लिए साजिश रच रहा था। गौरतलब है कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सितंबर 2022 में एक अधिसूचना के माध्यम से आतंकवादी समूहों और विध्वंसक गतिविधियों से जुड़े होने के कारण पीएफआई और उसके सहयोगियों पर पांच साल के लिए प्रतिबंध लगा दिया था। केंद्र ने अधिसूचना में कहा था कि, प्रतिबंध की सिफारिश उत्तर प्रदेश, कर्नाटक और गुजरात की राज्य सरकारों ने की थी।

2022-23 में 500 रुपए के नकली नोट 14.6 प्रतिशत बढ़े- आरबीआई

नई दिल्ली, एजेंसी।

भारतीय रिजर्व बैंक की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले साल की तुलना में 2022-23 में बैंकिंग प्रणाली द्वारा पकड़े गए 500 रुपए के नकली नोटों की संख्या 14.6 प्रतिशत बढ़कर नोटो की संख्या 91 हजार 110 हुई हैं। रिपोर्ट के मुताबिक इसी अवधि में सिस्टम द्वारा पकड़े गए 2 हजार रुपए मूल्यवर्ग के नकली नोटों की संख्या 28 प्रतिशत घटकर 9 हजार 806 नोट रही। हालांकि बैंकिंग क्षेत्र में पकड़े गए नकली भारतीय मुद्रा नोटों की कुल संख्या पिछले वित्तीय वर्ष में 2 लाख 30 हजार 971 नोटों की तुलना में 2022-23 में घटकर 2 लाख 25 हजार 769 नोट रह गई।

उल्लेखनीय है कि, यह 2021-22 में बढ़ गया था। आरबीआई की वार्षिक रिपोर्ट में 20 रुपये के मूल्यवर्ग में पाए गए नकली नोटों में 8.4 प्रतिशत की वृद्धि और 500 रुपए (नए डिजाइन) मूल्यवर्ग में 14.4 प्रतिशत की वृद्धि पर भी प्रकाश डाला गया है। दूसरी ओर, 10 रुपए, 100 रुपए और 2 हजार रुपए के नकली नोटों में क्रमशः 11.6 प्रतिशत, 14.7 प्रतिशत और 27.9 प्रतिशत की गिरावट आई है।

स्टेट हाइवे का एक पट्टी रोड़ 8 साल से अधूरा, निकली राशि, कई दुर्घटनाओं के बाद भी जिम्मेदार नहीं दे रहे ध्यान

शिकायत होने पर विभाग ने डाला गलत निराकरण, मामला है न्यायालय में लंबित

माही की गूंज, पेटलावद/बामनिया।

झाबुआ जिले के इंदौर- धार डिवीजन के तहत गुजरने वाले हाईवे क्रमांक 26 बामनिया मुख्य चौराहे पर लगभग 3 माह में साल अंत तक चार बड़ी दुर्घटनाएं हो चुकी है । दुर्घटना का कारण एक पट्टी रोड पर 10 साल से अतिक्रमण नहीं हटाना और रोड नहीं बनाना नेताओं के दबाव के कारण अधिकारियों के लिए चुनौती बना हुआ है जिसके कारण रोजाना हजारों की संख्या में नेशनल हाईवे पर चलने वाले चार पहिया वाहनों को ट्रैफिक जाम के चलते खासी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है लेकिन कोई सुनने को तैयार नहीं जिसकी शिकायत वर्ष 2015 से लेकर 2022 तक की गई लेकिन कोई कार्रवाई नहीं।

ममला-1

ग्राम बामनिया के मुख्य चौराहे पर पंचायत ने बनाई दुकान दुकान में घुसा ट्राला 12 घंटे तक मार्ग बन्द रहा था। पेटलावद विधानसभा क्षेत्र का बड़ा रेलवे स्टेशन जहां पर दिल्ली मुंबई का मुख्य मार्ग है यहां पर सुपर फास्ट एक्सप्रेस लोकल ट्रेन की सवारी रोजाना हजारों की संख्या में उतरती है रेलवे बाउंड्री के अंदर से गुजरने वाले रोड के पास ही स्टेट हाईवे पर 8 अक्टूबर 2022 रात को बड़ा हादसा हुआ जिसमें चलते तत्कालीन एंबुलेंस सेवाओं के साथ पूरा मार्ग 12 घंटे तक बंद रहा था।

मामला-2

बामनिया के इसी मुख्य चौराहे पर दिनांक 14 अक्टूबर ठीक 7 दिन बाद एक ट्राला रतलाम की ओर से आते वक्त रोड पर लगे खंबे सहित होटल के आगे के छज्जे को तोड़ते हुए चला गया यहां पर भी कोई बड़ी जनहानि नहीं हुई यह भी घटना रात में घटित हुई फिर भी प्रशासन का ध्यान नहीं।

मामला-3

बामनिया मुख्य चौराहे से कन्या शाला मार्ग तक एक पट्टी रोड अधूरा होने और ट्रैफिक जाम होने के चलते लहसुन से भरे एक ट्रक की चपेट में आने से दो पहिया वाहन चालक ट्रक की चपेट में आने से 5 नवंबर को बाल बाल बचा जिसके बाद भी जिम्मेदार ने ध्यान नहीं दिया

मामला-4

इसी प्रकार 26 दिसंबर एक बार फिर रात को एक बड़ा ट्राला रतलाम से आते हुए मार्ग पर से निकल रहा था उसी पॉइंट पर रात में दुकानों के छज्जे तोड़ते हुए खड़े- विद्युत पोल से जा टकराया शॉर्ट सर्किट के चलते पंचायत ने बनाई दुकान के अंदर आग लग गई और गरीब सब्जी वाले का सामान जलकर खाक हो गया गनीमत रही कि कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ है। आम नागरिकों को हो रही परेशानी को लेकर शिकायत 30मार्च 2015 में तत्कालीन कलेक्टर झाबुआ को की गई थी एसडीएम पेटलावद ने कलेक्टर के आदेश पर तत्काल 1अप्रेल2015 में एमपीआरडीसी के अधिकारी सहित अलग-अलग विभागों के एजुकेटेड अधिकारियों की 10 सदस्यसीय जांच दल गठित किया था 8 साल होने को है कोई कार्रवाई नहीं वर्तमान में सीएम हेल्पलाइन से लेकर जनसुनवाई तक शिकायत हो चुकी है।

एमपीआरडीसी न्यायालय के नाम से आम नागरिकों को कर रहा गुमराह

जनहित मुद्दे को लेकर शिकायतकर्ता श्रवण कुमार मालवीय द्वारा बताया गया कि रतलाम की तरफ जाने वाले एक पट्टी निर्माण का कार्य लगभग 2013 से ही अधूरा छोड़ दिया गया जिसके कारण तत्कालीन सेवाओं सहित आम नागरिकों को आने जाने में समस्या आ रही है अधूरी पट्टी को तत्काल पूरा करने के लिए अभियंता भोपाल सहित जिला कलेक्टर को भी शिकायत 2015 से ही करता आया हूं। वर्तमान में भी एसडीएम कार्यालय में प्रकरण दर्ज है । मैंने सीएम हेल्पलाइन पर भी दो बार शिकायत की लेकिन एमपीआरडीसी ने झाबुआ की तरफ जाने वाले विवादित दुकान निर्माण 2020 न्यायालय का मामला सीएम हेल्पलाइन पर डाल कर के बंद कर दिया जबकि मेरी शिकायत अधूरे छोड़े गए रतलाम रोड की वर्ष 2015 से चली आ रही है।

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा रोड

माही की गूंज, बनी।

बनी से दलपुरा छापरी रोड का भूमि पूजन पिछले वर्ष दशहरा के पावन अवसर पर हुआ था। जिसकी लंबाई 5 किलोमीटर है लागत 90लाख रु थी। इस रोड के निर्माण का ठेका आरएस कंस्ट्रक्शन कंपनी भोपाल ने लिया था, जो आज तक अपने पूरे होने की राह देख रहा है। इस रोड का कार्य 5 फरवरी 2022, को चालू हुआ था जिसका कार्य पूर्ण 28 फरवरी 2023 को होना था, जो आज तक अधूरा पड़ा। इस रोड में भ्रष्टाचार का संकेतक ठेकेदार द्वारा लगाया गये संकेतक बोर्ड खुद बया कर रहा है। ठेकेदार द्वारा लगाए संकेतक बोर्ड पर ठेकेदार ने सड़क की लागत और कार्य प्रारंभ करने की अवधि दोनों ही नहीं दर्शाई है। ठेकेदार द्वारा रोड के ऊपर डालने वाले मोहर्रम की जगह आस-पास से खोदकर मिट्टी डाल दी गई, जिससे बरसात में रोड धसने और कीचड़ होने की संभावना है। इस वजह से स्थानीय किसान और आसपास के गांव वालों को काफी मशक्कत करना पड़ेगी।

ठेकेदार द्वारा रोड के दोनों साईड नाली खोदी दी गई, वर्तमान स्थिति यह है कि, नाली का नामोनिशान तक नहीं दिखाई दे रहा है और तो और ठेकेदार के फील्ड मैनेजर ने स्थानीय लोगों से पैसा लेकर रोड का चौड़ीकरण नहीं किया और रोड निर्माण में लापरवाही बरती।

पुलिया निर्माण अधूरे

बनी और आसपास के रहने वाले लोग अधिकांश किसान वर्ग से आते हैं और बनी से दलपुरा छापरी तक बनने वाले रोड की लंबाई 5 किलोमीटर है और इसमें कई जगह पुलिया का निर्माण भी करना है। मगर ठेकेदार द्वारा सभी पुलिया निर्माण अधूरे खड्डे खोद कर छोड़ दिए गए है। जिससे बरसात के समय दुर्घटना का अंदेशा बना रहेगा, बरसात के पहले यदि पुलिया निर्माण नहीं किया जाता तो आसपास के ग्रामीण जो इस रोड से रोजाना आना-जाना करते हैं उन लोगों को भी काफी मुसीबत का सामना करना पड़ेगा।

मतदाता जागरूकता अभियान कार्यक्रम का हुआ आयोजन

माही की गूंज, थांदला।

लोकतांत्रिक व्यवस्था का मूल आधार है मताधिकार। देश के प्रत्येक नागरिक अपने मताधिकार का प्रयोग करके अपने प्रतिनिधि को चुनते हैं। मतदान करना प्रत्येक नागरिक का मौलिक कर्तव्य है। मतदान हेतु निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता परिचय पत्र दिया जाता है। 18 वर्ष पूर्ण कर चुके युवाओं के लिए ऑनलाइन माध्यम से मतदाता सूची में नाम शामिल कर रजिस्टर्ड करना अनिवार्य है, इसलिए महाविद्यालय के प्रत्येक विद्यार्थी अपना स्वयं का एवं अपने गांव में 18 वर्ष पूर्ण कर चुके युवाओं को मतदाता सूची में नाम जोड़ने हेतु जागरूक करें। उक्त विचार मतदाता जागरूकता कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य डॉ. जीसी मेहता ने व्यक्त किए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में प्रो.एचडूडवे ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि, मतदान निष्पक्ष और निर्भय होकर करना चाहिए। किसी के बहकावे में या किसी लालच में अपने मताधिकार का प्रयोग ना करें। यदि हमने अपने प्रतिनिधि के रूप में ईमानदार, कर्मठ व्यक्ति का चुनाव करें, तो यह देश हित व समाज हित में होगा। राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई प्रभारी डॉ. छगन वसुनिया ने विद्यार्थियों को जानकारी देते हुए कहा कि, मतदाता परिचय पत्र बनवाने के लिए आधार कार्ड, हाईस्कूल की अंकसूची की फोटो कॉपी, माता-पिता की वोटर आईडी की फोटोकॉपी आदि दस्तावेज अनिवार्य रूप से लेकर आवें। इस अवसर पर डॉ.पीटर डोडियार, प्रोएसएस मुवेल, डॉ. मीना मावी, महाविद्यालय के समस्त स्टाफ गण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रो.विजय मावी ने एवं आभार प्रो. मनोहर सोलंकी ने माना।

साई दरबार के 25 वें स्थापना दिवस पर विशाल भण्डारे का आयोजन सम्पन्न

माही की गूंज, थांदला।

श्रद्धा और सबुरी के उपदेशक परम कृपालु भगवन श्री साईं बाबा का थांदला-कुशलगढ़ मार्ग स्थित भव्य मंदिर सजाया गया। रंग बिरंगी झील मिलाती रोशनी से बाबा का दरबार जगमगा उठा।

जानकारी देते हुए समिति के सदस्य विपिन नागर, कमलेश लोढ़ा, ललित शर्मा, राजेश कुवाड़ (काऊ भाई) ने बताया कि, इस बार बाबा का 25 वा स्थापना दिवस बड़े ही भव्य तरीके से मनाया गया। पहले से ही तैयारियां की जा रही थी, इसके लिए बाबा की प्रतिमा के साथ ही पूरे मन्दिर के रंग-रोगन का कार्य किया गया है। मंगलवार रात्रि में स्थानीय रामायण मण्डल द्वारा सुंदर काण्ड का पाठ किया व बाबा के सुमधुर भजनों से श्रद्धालुओ का मन मोहित कर दिया। वही प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी बुधवार को प्रात 9 बजे बाबा का विदवान पंडितों के सानिध्य में अभिषेक किया गया। होने वालें विशाल भण्डारें मैं नगर के अलावा आसपास ग्रामीण इलाकों से भी श्रद्धालुओ ने बाबा के भव्य भंडारे में प्रसादी पाई। साईं भंडारे में महिलाओं और पुरुषों के लिए प्रथक-प्रथक बैठने की व्यवस्था की गई थी। जिसमें समिति के महेश गढ़वाल, बीएल गुप्ता, अमृतलाल चौहान, दिनेश चतुर्वेदी, प्रवीण पालरेचा, संजय व्होरा, जितेंद्र चौरड़िया, रोहित डामर, श्रीमंत अरोड़ा, नगर परिषद अध्यक्ष सुनील पणदा, पार्षद राजु धानक, बाबूलाल धमनिया, मोहन डिंडोर, संदीप अरोड़ा, बाबूलाल प्रजापत, महेश पंचाल, अरुण शुक्ला, माया भटेवरा, आदि अनेक साईं भक्तों ने इस आयोजन में श्रद्धा भक्ति से कार्य कर आयोजन को सफल बनाया।

गांव-गांव पहुंचती शराब, अंकुश लगाने में नाकाम पुलिस और आबकारी विभाग

माही की गूंज, रायपुरिया। ऋषभ गुप्ता

मध्यप्रदेश शासन की शराब नीति के तहत ठेकेदार द्वारा वचन पत्र भरवाया जाता है और उसमें दुकान और गोदाम की वस्तुस्थिति और दुकान के आगे बनी खिड़की में से वेध तरीके से शराब बेचने जैसी शर्तो का पालन करना वचनबद्ध होना पड़ता है। मगर रायपुरिया शराब के ठेकेदार द्वारा चार पहिया वाहन क्रमांक एमपी 45 बीबी 9501 सें गांव-गांव शराब पहुंचाने का सिलसिला सबुह से ही शुरू हो जाता है जो दिन भर चलता है। यह सारा खेल पुलिस और आबकारी विभाग के नजरों के सामने होता है, मगर शराब ठेकेदार पर ना तो पुलिस और ना ही आबकारी वाले अंकुश लगाने में सफल हुए हैं। जबकि मध्यप्रदेश शासन की शराब नीति के तहत शराब ठेकेदार को शराब बेचने का लाइसेंस दिया जाता है, अगर पुलिस और आबकारी विभाग द्वारा शराब ठेकेदार पर सख्त कार्रवाई की जाए तो शराब ठेकेदार का लाइसेंस निरस्त हो सकता है। मगर शराब ठेकेदार द्वारा गांव-गांव शराब पहुंचाना स्पष्ट करता है कि, पुलिस और आबकारी विभाग दोनों ही अपनी खानापूर्ति करने में लगे हुए हैं।

रंगीन रोशनी से नहाया दादाजी का दरबार, आज से होगी सालाना उर्स की शुरुआत, शहर में निकलेगा चादर जुलूस

हनुमान मंदिर व भैरव मंदिर की भी की साज-सज्जा

माही की गूंज, पेटलावद।

आज से सर्वधर्म, अमन-चैन और कोमी एकता के प्रतीक शहंशाहे पेटलावद हजरत ओढ़ी वाले दाता रे.अ. (दादाजी) के सालाना उर्स की शुरुआत होगी। इस दौरान हजरत के आस्ताने पर जायरिन अपनी मन्नतो को पूरा करने के लिए बड़ी संख्या में इकट्ठे होंगे। तड़के सुबह बाबा का गुस्ल किया जाएगा। इसके बाद सुबह फजर की नमाज 5 बजे बाद संदल पेश किया जाएगा। उर्स के एक दिन पहले से सूफी-संत फकीरों का आगमन शुरू हो गया। गौरतलब है कि पंपावती नदी के पावन तट के किनारे स्थित दातार की दरगाह न केवल मुस्लिम समुदाय बल्कि अन्य धर्म के लोगो के लिए भी आस्था का केंद्र है। यहां होने वाले उर्स में सीमावर्ती गुजरात व राजस्थान राज्य से भी जायरीन आते है।

उर्स की तैयारियां पूर्ण

उर्स कमेटी के सदर सलीम शेख और उपसदर अमजद लाला ने संयुक्त रूप से बताया, बाबा के 20वें उर्स की तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी है। बाबा के दरबार में सेमरोड़ के संतोष भाई द्वारा आकर्षक रोशनी की गई है जो काफी आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। इसके साथ ही पास दरगाह के पास स्थित श्री खेड़ापति हनुमान मंदिर और श्री भैरवनाथ मंदिर को भी सजाया गया है। कमेटी की यह पहल कोमी एकता और सांप्रदायिक सोहार्द्र की मिसाल पेश कर रही है। आस्ताने पर आने वाले जायरिनों के लिए सम्पूर्ण व्यवस्था की गई है। सर्व उर्स कमेटी ने उर्स में अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता करने का आह्वान किया है। उर्स 3 जून तक चलेगा। तीन दिनों तक विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन होगा। रात में कव्वाली की महफिल सजेगी इसमें मध्यप्रदेश और राजस्थान की कव्वाल पार्टियां हजरत की शान में कलाम पेश करेंगी।

पूरी होती हैं जायज तमन्ना

हजरत ओढ़ी वाले दाता की दरगाह करीब 350 साल प्राचीन बताई गई है। उनका मजार कदीमी होकर हर जाति व धर्म को मानने वाले यहां अपनी जायज तमन्नाओं को लेकर आते है और मुराद पूरी होने पर अकीदत के फूल चढ़ाते हैं। हजरत के उर्स की महफिल की रौनक बढ़ाने के लिए कई बुजुर्ग और सूफी-संत यहां तशरीफ ला रहे हैं। दरगाह का नूरानी और चिश्ती स्वरूप हर किसी का भी ध्यान अपनी ओर खींच लेता है। हजरत दातार के मजार पर विगत 19 वर्षो से उर्स का प्रोग्राम किया जा रहा हैं।

ऐसे आयोजित होगा पूरा कार्यक्रम

1 जूनः सुबह 8 बजे आस्ताने औलिया पर कुरआन ख्वानी होगी। शाम 5 बजे बाद असर की नमाज के बाद पुलिस वाले बाबा के आस्ताने से चादर शरीफ का जुलूस निकलेगा। जुलूस हुसैनी चोक से शुरू होकर रंगरेज गली, झंडा बाजार, गणपति चौक, पुराना बस स्टैंड, साईं मंदिर गली, गांधी चौक, कहार मोहल्ला, भेरू चौक होते हुए पंपावति नदी किनारे आस्ताने औलिया पर पहुंचेगा। जहां चादर पेश की जाएगी। रात 8 बजे बाद दरगाह में तकरीर का आयोजन होगा। जिसमें नगर के मौलाना हसरत रजा और मोइनुद्दीन साहब तकरीर करेंगे। 2 जूनः रात 8 बजे बाद शुरू होने वाले महफिले सिमां कार्यक्रम में देश के प्रसिद्ध कव्वाल सदाकत साबरी कपासन (राजस्थान) और जावेद सरफराज चिश्ती (रतलाम) कव्वाल पार्टियां प्रस्तुति देगी। 3 जूनः सुबह 9 बजे महफिले रंग व कुल की फातेहा होगी। दोपहर बाद लंगर (शुद्ध शाकाहारी भंडारे) का आयोजन किया जाएगा।

कांग्रेस में दावेदारी को लेकर रूपसिंह डामोर के नाम की भी चर्चा

विधानसभा में परिवर्तन की लहर को देखते हुए कई नेता कर रहे टिकिट के लिए दावा

रूपसिंह डामोर मजबूत दावेदार, 2003 में लड़ चुके है चुनाव, मामूली अंतर से हुई थी हार

माही की गूंज, पेटलावद। राकेश गेहलोत

विधानसभा चुनाव 2023 के लिए भाजपा-कांग्रेस की तेयारियां लगातार देंखने को मिल रही है। दोनों दलों से टिकिट के दावेदार लगातार सक्रिय देखे जा रहे हैं। पिछले तीन चुनाव में भाजपा की और से निर्मला भूरिया तो कांग्रेस की और से वर्तमान विधायक वालसिंह मैड़ा चुनाव मैदान में उतरे है लेकिन इस बार दोनों मुख्य दलों की रणनीति में आदिवासी संगठन जयस की सक्रियता ने परिवर्तन करने पर मजबूर कर दिया है। इसलिए दोनों मुख्य दल एक नही कई नामो पर चर्चा बनाये हुए है। 2018 विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को इस सीट सहित मध्यप्रदेश से जीत मिली थी, लेकिन 15 माह सरकार में रही सकी। अब कांग्रेस का निशाना मध्यप्रदेश में 150 से ज्यादा सीट जितने पर है, ताकि विपक्षीयो को सरकार गिराने का मौका नही मिले। इसी के चलते कांग्रेस फूक-फूक के कदम रख रही है और अपने तरीके से अलग-अलग एजेंसियों के सर्वे जमा कर हर विधानसभा क्षेत्र में विनिंग केंडिनेट का नाम निकालने की कोशिश कर रही है।

कांग्रेस में तीन से ज्यादा मजबूत दावेदार आये सामने, रामा क्षेत्र को फिर से मौका मिलने के आसार

मध्यप्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने का माहौल है। ऐसे में कांग्रेस की और से टिकिट की दावेदारों की संख्या भी लगातार बढ़ती जा रही है न केवल कांग्रेस बल्कि कुछ जयस नेता भी कांग्रेस की टिकिट पर चुनाव लड़ने के लिए प्रयासरत हैं। वर्तमान विधायक वालसिंह मैड़ा की सबसे बड़ी चुनौती है जो सिटिंग विधायक होने के चलते सबसे मजबूत दावेदार है। जिला पंचायत उपाध्यक्ष मालू अकमाल डामोर की सक्रियता ने वालसिंह ओर कांग्रेस दोनों की चिंता बड़ा दी है। ऐसे में कांग्रेस नए चेहरे पर भी विचार कर रही है, ताकि विवाद की स्थिति में नए व्यक्ति को सामने लाकर दूसरे दावेदारों को कांग्रेस के पक्ष में सिलेंडर कर सके। पेटलावद विधानसभा क्रमांक 195 में दो विकास खण्ड पेटलावद और रामा है और अब तक रामा क्षेत्र का दबदबा रहा है। दोनों दलों ने इसी क्षेत्र से प्रत्याशी मैदान में उतारे है ओर इस बार भी रामा क्षेत्र के दबदबे की संभावना हैं। अब तक कांग्रेस की और से जो मजबूत दावेदार उभर कर आये हैं वो रामा क्षेत्र से ही आते हैं।

रूपसिंह डामोर ने भी इस बार टिकिट पर ठोका अपना दावा

2003 विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की टिकिट पर पेटलावद विधानसभा से चुनाव मैदान में उतर चुके रूपसिंह डामोर जो वर्तमान में कांग्रेस के प्रभारी जिलाध्यक्ष भी है, इस बार कांग्रेस की और मैदान में उतरने का दावा ठोक रहे हैं। 2003 चुनाव में लगभग दस हजार के मामूली अंतर से हार का सामना करना पड़ा था। रूपसिंह डामर ने झाबुआ विधानसभा से टिकिट की मांग की थी जब उनका कार्यक्षेत्र पारा-झाबुआ विधानसभा का हिस्सा था लेकिन कांग्रेस ने उनको पेटलावद विधानसभा से टिकिट दी क्योकि उनका गांव पिथनपुर रामा क्षेत्र में शामिल था। हालाकि नए क्षेत्र से मिले मौके के बाद भी रूपसिंह डामोर ने चोकाने वाला प्रदर्शन किया और कांग्रेस के बागी होकर मैदान में उतरे अकरम की कांग्रेसी वोटो में लगी 8 हजार की सेंध के चलते दस हजार के अंतराल से हार सामना करना पड़ा। जबकि 2003 में भाजपा की ऐसी लहर थी कि जिले की 5 विधानसभा ;अविभाजित जिला अलीराजपु की सभी सीटों पर कांग्रेस का सफाया कर बड़े अंतराल से जीत दर्ज की थी। 2003 के बाद विधानसभा क्षेत्र में हुए परिसीमन के बाद रूपसिंह डामोर के प्रभाव वाला पारा क्षेत्र पेटलावद विधानसभा में जुड़ गया, जबकि कमजोर क्षेत्र कल्याणपुरा-झाबुआ विधानसभा में जुड़ गया। ऐसे में रूपसिंह डामोर की दावेदारी और मजबूत रूप से उभर कर सामने आ रही है। 2023 के माहौल और प्रभाव को देखते हुए रूपसिंग डामोर इस बार पेटलावद विधानसभा से मजबूत दावेदार के रूप में सामने आ रहे हैं और बताया जा रहा है रूपसिंग डामोर ने अपने प्रादेशिक और केंद्रीय नेतृत्व से टिकिट की दावेदारी कर दी है ।

अच्छा खासा राजनीति सफर है रूपसिंग डामोर का, पिता कांग्रेस सरकार में रहे चुके मंत्री

रूपसिंह डामोर विधानसभा के लिए कोई नया नाम नही है। राजनीति में उनका सफर अच्छा खासा रहा है, जो उनकी विधानसभा की दावेदारी के लिए पर्याप्त है। रूपसिंग डामोर का परिवार शुरू से कांग्रेस की राजनीति में सक्रिय रहा है और उनके पिता बापूलाल डामोर 1967 से 1998 तक लगातार झाबुआ विधानसभा से विधायक रहे और सरकार में सहकारिता राज्य मंत्री रह चुके हैं। उनकी ही विरासत को रूपसिंग डामोर ने आगे बढ़ाते हुए सरपंच से शुरुआत करते हुए रामा जनपद अध्यक्ष और फिर 1995 से 2022 तक लगातार चार बार उनके क्षेत्र से जिला पंचायत सदस्य और एक बार जिला पंचायत उपाध्यक्ष तक रह चुके हैं। रूपसिंग डामोर अपने राजनीतिक जीवन मे कांग्रेस के विभिन्न पदों पर रहे और वर्तमान में भी कांग्रेस कमेटी जिला कार्यवाहक अध्यक्ष पद पर है। इसी राजनीति सफर के चलते 2003 में झाबुआ विधानसभा से मुख्य दावेदार बना दिया था। लेकिन राजनीतिक समीकरणों के चलते रूपसिंग डामोर को झाबुआ से हटाकर पेटलावद विधानसभा से मैदान में उतारा गया। जहां पेटलावद विकास खण्ड में कमजोर और बागी उम्मीद के मैदान में होने के चलते हार का सामना करना पड़ा।

कांग्रेस के लिए समस्या बड़ी, भितरघात से निपटना होगी चुनौती

मैदान में उतरने के लिए कांग्रेस के पास बहुत चेहरे सामने है। उससे कांग्रेस की ताकत बड़ी है लेकिन यही ताकत कमजोरी भी बन सकती है। कांग्रेस में टिकिट की नाराजगी को लेकर चुनाव में भितरघात ओर बागी उम्मीदवार की समस्या से जूझ सकती है। कांग्रेस के पास खुद के दल के दावेदारों के साथ-साथ जयस संगठन की ओर से दावेदारी कर रहे जयस प्रत्याशीयो से निपटने की बड़ी चुनोती है। रूपसिंग डामोर पर दांव लगाकर कांग्रेस के पास सामंजस्य बिठाने का अवसर होगा। चुनाव का समय नजदीक है और दावेदार तैयार देखना दिलचस्प होगा की कांग्रेस कैसे इन सब से पार पा सकती है।

अणुवत्सश्री संयतमुनिजी का हुआ मंगल प्रवेश, अगवानी में उमड़े श्रद्धालु

माही की गूंज, थांदला।

आचार्यश्री उमेशमुनिजी के सुशिष्य धर्मदास गणनायक प्रवर्तकश्री जिनेंद्रमुनिजी के आज्ञानुवर्ती अणुवत्सश्री संयतमुनिजी, जयंतमुनिजी ठाणा 2 का मंगलवार को थांदला नगर में मंगल प्रवेश हुआ। अणुवत्सश्री संयतमुनिजी के मंगल प्रवेश से श्रीसंघ ही नहीं अपितु समूचे नगरवासियों में उत्साह का वातावरण निर्मित हो गया है। हर कोई अपने-अपने समय के अनुसार अधिक से अधिक लाभ लेने के लिए उत्साहित है। मुनि मंडल का लिमड़ी, संजेली, झालोद, कुशलगढ़, बाजना, खवासा, बामनिया, पेटलावद, रायपुरिया, कल्याणपुरा, अगराल आदि क्षेत्रों में धर्म प्रभावना करने के बाद यहा आगमन हुआ। गौरतलब है पूर्व में शुभेषमुनिजी, अचलमुनिजी ठाणा 2 का मंगल प्रवेश हो गया था।

पैदल पहुंचकर अगवानी की

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के अध्यक्ष जितेंद्र घोड़ावत व सचिव प्रदीप गादिया ने बताया कि, इसी के अंतर्गत अणुवत्सश्री संयतमुनिजी की अगवानी करने हेतु शुभेषमुनिजी, अचलमुनिजी ठाणा 2 एवं साध्वीश्री निखिलशीलाजी आदि ठाणा 4 सहित श्रावक -श्राविकाओं ने तलावली रोड़ पर दूर-दूर तक पैदल पहुंचकर मुनि मंडल की अगवानी की। अगवानी अवसर पर बदनावर, रतलाम आदि के श्रावक-श्राविकाएं भी उपस्थित थे।

जयकारों से वातावरण गुंजायमान हो गया

ललित नवयुवक मंडल के अध्यक्ष रवि लोढ़ा व कोषाध्यक्ष अखिलेश श्रीमाल के अनुसार मुनि मंडल के प्रवेश के दौरान श्रावक- श्राविकाए श्रमण भगवान, महावीर स्वामीजी, आचार्यश्री उमेशमुनिजी, प्रवर्तकश्री जिनेंद्रमुनिजी एवं अणुवत्सश्री संयतमुनिजी सहित मुनिश्री आदि की जय जयकार और गुरु गुणगान करते हुए चल रहे थे। इस दौरान समूचा वातावरण जयकारों से गुंजायमान हो गया। अणुवत्सश्रीजी ने नगर में कई स्थानों पर मांगलिक श्रवण करवाई। मंगल प्रवेश यात्रा शासकीय महाविद्यालय, डाक बंगला, दशहरा मैदान, गणेश मंदिर, पुलिस थाना रोड़, मठवाला कुआं, जवाहर मार्ग, आजाद चौक होती हुई पौषध भवन स्थानक पर पहुँची। यहाँ समस्त श्रावक-श्राविकाओं ने मुनिमंडल को सामूहिक वंदना कर विहार की सुखसाता पूछी।

पौषध भवन पर होंगे प्रतिदिन व्याख्यान

मुनि मंडल के सानिध्य में यहाँ प्रतिदिन विविध आराधनाएं होगी। जिसमें बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएँ व बच्चें भाग लेंगे। मुनिमंडल व साध्वी मंडल के व्याख्यान प्रतिदिन प्रातः 8.45 से 10 बजे तक पौषध भवन स्थानक पर होंगे। श्रीसंघ ने समस्त श्रावक-श्राविकाओं से मुनिमंडल के मिले सानिध्य का पूरा पूरा लाभ लेने का निवेदन किया है। उल्लेखनीय है कि अणुवत्सश्री संयतमुनिजी आदि ठाणा का इस वर्ष का झाबुआ जिले के मेघनगर में वर्षावास होगा।

कमजोर परीक्षा परिणाम, अतिथि शिक्षक के भरोसे शिक्षा व्यवस्था

माही की गूंज,खवासा। हाईस्कूल और हाई सेकेंडरी के घोषित हुए परीक्षा परिणाम खवासा क्षेत्र में निराशाजनक रहे हैं। गत वर्षो में जिले में अग्रणी परीक्षा परिणाम देने वाली दोनों संस्था बालक एवं कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का परीक्षा परिणाम भी बहुत ही कम रहा है। शा.उमावि के प्राचार्य के अनुसार यहां स्वीकृत उच्चतर माध्यमिक शिक्षक के 12 पद रिक्त है। जिसके विरुद्ध केवल 1 शिक्षक कार्यरत है और पूरे वर्ष शिक्षण व्यवस्था अतिथि शिक्षक के भरोसे रही। जिससे परीक्षा परिणाम प्रभावित हुआ है। यहां मुख्य विषय गणित, भौतिकी, रसायन, जिव विज्ञान, वाणिज्य, अंग्रेजी, हिंदी, राजनीति, अर्थशास्त्र के पद रिक्त है। जिसमें कई विषयों के अतिथि शिक्षक के लिए आवेदन भी नहीं मिले। वहीं निजी स्कूलों का परीक्षा परिणाम अपेक्षाकृत अच्छा रहा। सत्य साई कांनवेंट स्कूल कक्षा दसवीं में माही विजय पाटीदार 87.6 प्रतिशत लेकर प्रथम व अनिरुद्ध पिता निर्मल सिंह सिसोदिया 86.6 प्रतिशत के साथ द्वितीय रहे। वही कक्षा 12वीं में कुमारी अदिती संजय पाटीदार 89.6 प्रतिशत के साथ विज्ञान विषय में प्रथम तथा गौतम गौरीशंकर कटारा 81.8 प्रतिशत के साथ वाणिज्य विषय के द्वितीय स्थान पर रहे। इसी प्रकार गांव की न्यू हाइट्स पब्लिक स्कूल में कक्षा दसवीं का 76 एवं 12वीं कक्षा 57 प्रतिशत परिणाम रहा। यहां अदिति मुकेश बैरागी ने 93 प्रतिशत अंकों के साथ जिले में द्वितीय स्थान प्राप्त किया , वहीं किशन पिता नरसिंह डामोर 77.7 प्रतिशत अंकों के साथ संस्था में द्वितीय स्थान पर रहे, 12वीं में माही विकास पटेल 81 अंक लाकर संस्था में प्रथम व तनिष्क पिता सुशील चोपड़ा 70 प्रतिशत के साथ द्वितीय स्थान पर रहें। अन्य निजी शिक्षा संस्था संत टेंरेसा स्कूल का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। यहां शिवम जयंतीलाल चौहान 84 प्रतिशत के साथ प्रथम व अदित्य मदन पाटीदार 83 प्रतिशत के साथ दितीय स्थान पर रहे। बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय व कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के परिणामों पर क्षेत्रवासियों ने निराशा व्यक्त करते हुए स्टाफ पूर्ति की मांग शासन से की है। साथ ही उम्मीद जताई जा रही है कि, यहां सीएम राइस विद्यालय की शुरुआत के बाद अच्छे परिणाम मिलने लगेंगे।

राम कथा के सातवें दिन राम को हुआ वनवास

माही की गूंज, सारंगी।

खेड़ापति हनुमान मंदिर पर राम कथा का आयोजन चल रहा है। जिसमें बदनावर के पंडित मयंक शर्मा द्वारा राम चरित मानस के कई प्रसंग भक्तों को सुनाई जा रहे है। राम जन्म से लेकर राम विवाह मे भक्तों ने बड़े उत्साह से कथा पंडाल में भाग लिया। कथा के सप्तम दिवस पर जैसे ही पंडित जी ने राम बनवास का प्रसंग सुनाया भक्तों में मायूसी छा गई। भगवान श्रीराम ने माता-पिता का आज्ञा पालन कर आशीर्वाद लेकर वनवास के लिए निकल पड़े, इधर अयोध्या में मायूसी छाई, इधर कथा पंडाल में भी मायूसी छा गई। हर कोई भक्तों की आंखों में अश्रु धारा बहने लगी। कथा श्रवण करने आए भक्तों को पंडित जी ने बताया, माता-पिता की सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है, माता-पिता की आज्ञा का पालन करो, उन्हें कभी भी दुख मत दो, चाहे चारों धाम मत जाओ माता-पिता की सेवा ही चारों धाम है। राम कथा का समापन कल होगा। पंच कुंडी यज्ञ, महाआरती एवं महाप्रसादी का वितरण ग्राम के सभी दानदाताओं के सहयोग से किया जावेगा।

अखंड संकिर्तन की पूर्णाहुति के साथ महाआरती और महाप्रसादी का लिया लाभ

माही की गूंज, पेटलावद।

मंगलवार को पादुका पूजन के साथ तीन दिवसीय अखंड संकिर्तन की हुई पूर्णाहुति। अरूणोदय वेला में संकिर्तन की पूर्णाहुति वेद मंत्रों के साथ अभिषेक करते हुए भक्तों पर पुष्प वर्षा कर की गई। गुजरात से आये भक्तों ने लगातार तीन दिन तक अखंड संकिर्तन में अपना संपूर्ण सहयोग प्रदान करा। इसके साथ ही नगर व थांदला वैकुंठधाम के गुरू भक्तों ने भी अपना सहयोग दे कर आयोजन को सफल बनाया। संकिर्तन की पूर्णाहुति के साथ ही अन्नपूर्णा पूजन का शुभारंभ हुआ साथ की आयोजन की महत्वपूर्ण कडी पादुका पूजन का आयोजन किया गया। जिसमें सैकडों भक्तों ने शामिल होकर भगवान की पादुका पूजन किया। सुबह 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक पादुका पूजन का क्रम चला। इसके पश्चात गुरूभक्तों ने मिलकर महाआरती का लाभ उठाया। आयोजन के दरम्यान भावुक पल जब आए जब गुरूभक्तों की विदाई का समय आया। तीन दिन से लगातार सेवा दे रहे गुरूभक्तों को समिति के सदस्यों ने विदाई दी। तीन दिवसीय आयोजन में प्रतिदिन भगवान का तीन बार आरती और श्रृंगार किया गया। इस आयोजन में गुजरात, महाराष्ट्र और राजस्थान सहित मध्यप्रदेश के गुरूभक्तों ने अपनी उपस्थिति दी।

कांग्रेस ने काली वसुनिया को जिला पंचायत सदस्य प्रत्याशी किया घोषित

माही की गूंज, झाबुआ।

जिला पंचायत के वार्ड क्रमांक 9 में जिला पंचायत सदस्य का चुनाव 13 जून को होना है वही 17 जून को मतगणना होगी। कांग्रेस के संभागीय प्रवक्ता साबिर फिटवेल ने जानकारी में बताया कि, पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने पूर्व मंत्री विधायक कांतिलाल भूरिया, थांदला विधायक वीरसिंह भूरिया, पेटलावद विधायक वालसिंग मेडा, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सोनल जसवंत भाबर, जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रकाश रांका की अनुशंसा पर नरेला ग्राम की प्रखर-मुखर, नेत्री काली वसुनिया को जिला पंचायत के वार्ड क्रमांक 9 में सदस्य पद के लिए कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी के रूप में घोषित किया है।

कांग्रेस समर्थित उम्मीदवार घोषित होने पर मध्यप्रदेश कांग्रेस महासचिव निर्मल मेहता, प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष डॉ विक्रांत भूरिया, पूर्व विधायक जेवियर मेडा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष, महिला कांग्रेस की अध्यक्ष श्वेता, गंगा, मोहनिया जसवंत भाबर, उपाध्यक्ष रूपसिंह डामोर, ठाकुर हनुमंत सिंह, विजय हेमचंद डामोर, भाबर ठाकुर, आदित्य सिंह ठाकुर, रविंद्र सिंह नंदलाल मेड, कालू सिंह नलवाया, चंद्रवीर सिंह राठौर, निर्भय सिंह ठाकुर, यामीन शेख, छगन वसुनिया, शंकर सिंह भूरिया, आनंद चौहान, सुनीता अलावा, पप्पू सहलोत, रमेश भटेवरा, अजय ओहारा, प्रवक्ता अली असगर बोहरा, कैलाश डामोर, चैनसिंह डामोर, राजेश भट्ट, जीवन ठाकुर, घनश्याम सिंह सेमलिया, गोपाल शर्मा, जितेंद्र सिंह राठौड़, सलीम शेख, चंदूलाल पडियार आदि जिला कांग्रेस ब्लॉक के अध्यक्ष गण युवक कांग्रेस भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन, शहर कांग्रेस महिला, कांग्रेस सेवादल पदाधिकारियों कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस समर्थित

296 जोड़ों को मुख्यमंत्री ने वीसी द्वारा दिया आशीर्वाद

मुख्यमंत्री कन्या विवाह सम्मेलन पर लगे भ्रष्टाचार व अव्यवस्थओं के आरोप

माही की गूंज, थांदला।

सामाजिक न्याय एवं दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग मध्यप्रदेश शासन द्वारा जनपद पंचायत थांदला के माध्यम से झाबुआ जिले के थांदला शहर के विशाल दशहरा मैदान पर अंचल के 296 जोड़ों ने गायत्री परिवार के वेदोपचार मंत्रों के माध्यम से सात फेरे लेकर विवाह के पवित्र बंधन में बंध गए। 'मुख्यमंत्री सामुहिक कन्या विवाह निकाह योजना अंतर्गत सामूहिक विवाह सम्मेलन में प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने वीसी के माध्यम से नव विवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया।

आयोजन में अधिकांश जोड़ें भरी गर्मी में 2 घण्टे से अधिक समय तक धूप में बैठे रहे। वही अन्य व्यवस्थाओं को लेकर माहौल गरमाया रहा। लेकिन अधिकारी एक दिन पूर्व रात में आये तूफान को दोष देकर अपना पल्ला झाड़ते नजर आए। आपको बता दे, मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजनांतर्गत होने वालें सामूहिक विवाह में विज्ञप्ति जारी करते हुए टेंडर प्रक्रिया द्वारा विभिन्न काम के ठेके दिए गए थे। जिनमें वर-वधु माला के 70 रुपये, अन्य फूलों की माला के 31 रुपये, हवन वेदी के 200 रुपये, हवन सामग्री के 231 रुपये, पूजा के फूल के 40 रुपये, लाईट जनरेटर सहित 26000 रुपये, साउंड सिस्टम 34000 रुपये, वीडियोग्राफी के 1490 प्रति घण्टा, फोटोग्राफी के 17.90 प्रति कॉपी, 6780 भोजन पैकेट, प्रति पैकेट 38 रुपये, अतिथियों के लिए 200 वीआईपी भोजन पैकेट, प्रति पैकट 95 रुपये, 100 पानी की बॉटल प्रति बॉटल 10 रुपये, 5 हजार पानी के पाउच प्रति पाउच 3 रुपये की दर स्वीकृत की गई। वही टेंट व प्रिंटिंग के लिए निविदा आमंत्रित ही नही की गई। ऐसे में ठेकेदारों ने पुष्प माला, हवन सामग्री, पानी व भोजन पैकेट आदि में घटिया व कम माल सप्लाय किया। जिसकी शिकायत विवाह स्थल पर ही वर-वधु पक्षों के साथ पत्रकारों ने सीईओ व एसडीएम से की तो उन्होंनें कहा गुणवत्ता व आपूर्ति के हिसाब से कमी रहने के पैसे काटकर उन्हें भुगतान किया जाएगा लेकिन जिम्मेदारी से बचते रहे। ज़िलें में सर्वाधिक 296 जोड़ों के विवाह में भी अधिकांश जोड़ें शादीशुदा थे, जिनका प्रमाण उनके पैर में पड़ी बिछिया व पहले से गले में डला मंगलसूत्र दे रहे थे। जो खामोशी से कड़ी धूप व अव्यवस्थओं का प्रतिकार करने की बजाए विवाह सम्मेलन में शासन निधि का लाभ उठाने शामिल हुए। आयोजन में ग्रामीण क्षेत्र के 284 जोड़ो में मादलदा के ढाई फिट के कांतिलाल भूरिया व गोरिया खांदन की नाहटी भूरिया आकर्षण का केंद्र रहे। वही थांदला शहरी क्षेत्र के 12 जोड़ो में से एक जोड़ें का वर समारोह स्थल पर हंगामा होने के बाद कुछ देरी से पहुँचा, जिसका कारण दोपहर 3 बजे परीक्षा होना बताया। एक-दो वेदी खाली भी दिखाई दी जो प्रशासन की अव्यवस्थओं की पोल-खोल रही थी। आयोजन में उपस्थित अतिथियों ने नव विववाहत युगल को आशीर्वाद व मंगलमय जीवन की शुभकामनाएं देते हुए शासन द्वारा स्वीकृत 49 हजार रुपये का प्रतीकात्मक चैक प्रदान किया। वही राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन ने मेकप किट के साथ परिवार नियिजन की सामग्री देकर नई पहल की शुरुआत की जो चर्चा में भी रही।

सम्मेलन में मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष सोनल जसवंत भाबर, सांसद प्रतिनिधि दिलीप कटारा व विश्वास सोनी थे। जबकि जिला कलेक्टर सुश्री तन्वी हुड्डा, सीईओ जिला पंचायत अमन वैष्णव, एसडीएम तरुण जैन, अजजा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष कलसिंह भाभर, प्रदेश मंत्री श्रीमती संगीता सोनी, नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती लक्ष्मी सुनील पणदा, जनपद अध्यक्ष पोनी जालम डामर, संजय भाभर, श्रीमती माया चौधरी, श्रीमती माया सचिन सोलंकी आदि ने अपना आतिथ्य प्रदान कर शासन कि योजनाओं का बखान किया। इस अवसर पर नगर व ग्रामीण अंचल के वर-वधु पक्ष के लोग, पत्रकारगण अधिकारी कर्मचारी आदि उपस्थित थे। सम्मेलन का संचालन रामसिंह मुणिया ने व यशवंत बामनिया ने आभार माना।

संपादकीय

अवैध खनन पर लगे लगाम

पर्यावरण संरक्षण और कानून व्यवस्था के लिये चुनौती बने अवैध खनन को लेकर देश की शीर्ष अदालत और एनजीटी अक्सर सख्त टिप्पणियां करते रहे हैं। इस दिशा में प्रयास भी होते रहे हैं लेकिन समेकित पहल के अभाव में प्रयास सिरे नहीं चढ़ पाते। अब इस दिशा में हरियाणा के वन विभाग द्वारा एक व्यावहारिक पहल की गई है। अवैध खनन करके निकाले गये पत्थरों, रेत-बजरी

आदि को ले जाने वाले वाहनों के रास्ते और वन मार्ग सील करने की पहल की गई है। निस्संदेह, यदि इस कोशिश को तार्किक परिणति दी गई तो अवैध खनन की कोशिशों पर किसी हद तक रोक लगायी जा सकती है। निश्चित रूप से नूंह में वन विभाग द्वारा सभी रास्तों व वन मार्गों को सील करने के लिये शुरू किया गया अभियान सही दिशा में उठाया गया कदम है। कह सकते हैं कि लंबी चलने वाली इस प्रक्रिया की व्यावहारिक शुरुआत हुई है। लेकिन एक बात तय है कि अरावली पर्वत श्रृंखला में अवैध खनन रोकने के प्रयासों में सफलता तभी मिलेगी, जब सभी स्तरों पर एकीकृत प्रयास किये जायेंगे। जो कि कार्रवाई के पैमाने और नीतियों में निरंतरता से संभव होंगे। लेकिन इस दिशा में सफलता के लिये राजनीतिक इच्छाशक्ति की भी सख्त जरूरत होगी। यदि सरकारी तंत्र को अवैध खनन बंद करने के सख्त आदेश दिये जाएंगे तो नीतियों का क्रियान्वयन आसान हो सकेगा। वहीं यदि इस अभियान में कुछ लोगों को छूट दी गई तो मुहिम के सार्थक परिणाम पाना मुश्किल हो सकता है। कुछ लोगों को छूट और कुछ पर सख्ती से अवैध खनन पर रोक के लक्ष्य हासिल नहीं किये जा सकते हैं। कहा जा सकता है कि सभी विभागों की ओर से साझे प्रयास और खनन से जुड़ी बड़ी मछलियों पर नकेल डालने से ही अवैध खनन की समस्या का कारगर समाधान निकलने की संभावना बढ़ जाएगी।

यह भी तय है कि, राज्य में अवैध खनन बिना राजनीतिक संरक्षण के संभव नहीं है। दरअसल, चुनाव में आर्थिक मदद करने वाले खनन माफिया कालांतर निरंकुश खनन के लिये संरक्षण की सुविधा जुटाने का प्रयास करते हैं। कुछ पर शिकंजा और कुछ को छूट की नीति से प्राकृतिक संपदा की लूट का खेल बदस्तूर जारी रहता है। जो किसी भी सार्थक मुहिम को निष्प्रभावी बना देता है। विगत में देखा गया है कि अवैध खनन हेतु डम्पर- कैंटर व मशीनों को लाने तथा उत्खनित पत्थरों को ले जाने वाले वाहनों के लिये रास्ते रातों-रात चौड़े कर दिये जाते हैं। अधिकारियों द्वारा पहचाने गये ऐसे करीब सौ रास्तों में से अधिकांश राजस्थान में भरतपुर की सीमा के निकट स्थित हैं। इनमें से बीस को अधिकारियों ने सील कर दिया है। अधिकारी कह रहे हैं कि अवैध खनन की कोशिश करने वालों से सख्ती से निबटा जा रहा है। साथ ही अवैध खनन करके पत्थर व रेत-बजरी ले जाने वाले वाहनों की आवाजाही को रोकने के लिये और मार्गों की तलाश की जा रही है। इन इलाकों में चौकसी बढ़ा दी गई है। जरूरत इस बात की है कि ऐसे प्रयासों में निरंतरता बनी रहे। विगत में देखा गया है कि ऐसे अभियान शुरुआत में तो बड़े जोर-शोर से शुरू किये जाते हैं लेकिन इस प्रयासों को तार्किक परिणति तक पहुंचाने से पहले ही मुहिम में शिथिलता आ जाती है। यहां यह भी महत्वपूर्ण है कि अरावली की तलहटी में ऐसे अभियानों को सफल बनाने में सामुदायिक भागीदारी की पर्याप्त संभावनाओं को तलाशा जाये। इसके लिये जरूरी है कि अवैध खनन के खतरों और इसके दीर्घकालीन विनाशकारी परिणामों के बारे में ग्रामीणों को जागरूक किया जाये। इससे विभिन्न विभागों को इस इलाके में होने वाली अवैध गतिविधियों की सूचना भी समय रहते हासिल की जा सकती है। यदि इन सूचनाओं पर तत्काल प्रभाव से कार्रवाई हो तो सार्थक परिणाम जरूर मिल सकते हैं। खनन की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र में स्थानीय समर्पित युवाओं और महिलाओं की भागीदारी बढ़ाकर अपेक्षित लक्ष्य हासिल किये जा सकते हैं। ऐसे लोगों को प्रशिक्षित करने और रोजगार देने से स्थानीय लोगों की भूमिका अवैध खनन रोकने में कारगर सिद्ध हो सकती है।

जी 20 की मेजबानी से उपजी चुनौतियां

भारत में इस बात को लेकर संशय और सवाल उठने लाजिमी थे कि यदि भारत सरकार जम्मू-कश्मीर में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन करवाती है तो इस पर दुनिया की महत्वपूर्ण ताकतों की प्रतिक्रिया कैसी रहेगी। जाहिर था पाकिस्तान किसी भी देश की शिरकत पर तीखा एतराज उठाएगा और कुछ भी करके इस आयोजन में खलल डालना चाहेगा। भारत ने सावधानीपूर्वक और जान-बूझकर श्रीनगर में पर्यटन को बढ़ावा देने संबंधी विषय पर जी-20 के सदस्यों की बैठक रखी। आमतौर पर श्रीनगर को पर्यटकों का पसंदीदा स्थल कहा जाता है। अपने युवा विदेश मंत्री की अगुवाई में पाकिस्तान ने सभी देशों को श्रीनगर वाली बैठक में भाग लेने से गुरेज करवाने पर सारा जोर लगा दिया। जैसा कि पूर्वानुमान था, चीन ने श्रीनगर सत्र में भाग लेने से मना कर दिया और चार अन्य इस्लामिक यानी सऊदी अरब, मिस्र, इंडोनेशिया और तुर्की ने भी यही किया। हालांकि इंडोनेशिया और सऊदी अरब का प्रतिनिधित्व नई दिल्ली में नियुक्त उनके राजदूतों की उपस्थिति से रहा। तुर्की चूंकि दशकों से पाकिस्तान का तगड़ा समर्थक है, सो उसने भारत से कम दोस्ती निभाने का फैसला लिया।

कुछ हफ्ते पहले, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और उनके अमेरिकी समकक्ष जेक स्लीवन ने सऊदी अरब में वहां के युवराज मोहम्मद बिन सलमान और यूएई के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार शेख तहनून बिन ज़ायद से भेंटवार्ता की है। तेल संपन्न सऊदी अरब के साथ संबंध अच्छे बनाए रखने में अमेरिका का हित जुड़ा है, लेकिन राष्ट्रपति जो बाइडेन के एक कम सावधान और लचर बयान से रिश्तों पर विपरीत असर पड़ा है। हालांकि सऊदी अरब और ईरान के बीच संबंध सामान्य बनवाने में चीनी मध्यस्थता से अमेरिका हिल उठा है। जो अधिक हैरानकुन है, वह यह कि लगता है अमेरिका को ईरान के प्रति दुश्मनी जारी रखने में ज्यादा आनंद आता है। पिछले चार दशकों से अमेरिका के निरंतर विरोधी रवैये के बावजूद ईरान फला-फूला है। फारस का खाड़ी क्षेत्र, जहां लाखों भारतीय कामगार रहते हैं, वहां के तेल संपन्न राष्ट्रों के साथ चीन के प्रभाव का उद्भव होना वह घटनाक्रम है जिसको लेकर भारत शायद ही आशावादी हो। भारत के पश्चिमी पड़ोस में दो सबसे मुख्य मुल्क यानी यूएई और सऊदी अरब के साथ भारत-अमेरिका संयुक्त वार्तालाप से उम्मीद है इस क्षेत्र में सुरक्षा, स्थायित्व और आपसी सहयोग बढ़ेगा। इस वार्ता में बनी आपसी समझ को सावधानीपूर्वक विस्तार देकर यू2आई2 समूह (जिसमें भारत, अमेरिका, इस्राइल, और यूएई हैं) के साथ एकीकृत किया जाएगा। वह क्षेत्र जहां लगभग 81 लाख प्रवासी भारतीय रहते हैं, अकेले यूएई में ही लगभग 34 लाख भारतीय हैं, वहां की सुरक्षा, स्थायित्व और शांति बने रहना, जाहिर है भारत के लिए काफी महत्व रखती है।

इस तमाम घटनाक्रम के बीच, भारत को थलीय और जलीय सीमाओं पर जो मुख्य सुरक्षा चुनौतियां दरपेश हैं, वह चीन की शी जिनपिंग सरकार के निरंतर दुश्मनी व भारत विरोधी कृत्यों से पैदा हुई है। चीनी करतूतों से भारत के सामने बने खतरों को पश्चिमी कमान के पूर्व कमांडर जनरल पनाग

ने कुशलतापूर्वक शब्दों में समेटा है। लद्दाख में महीनों तक चली तनातनी और मुठभेड़, जो कि वर्ष 2020 में शुरू हुई थी, जनरल पनाग इसको वर्ष 1959 में घोषित एकतरफा चीनी सीमारेखीय दावों की ओर लौटने की जिद से जोड़ते हैं। लेकिन भारत की कड़ी टक्कर से चीन को अपने इरादों में पर्याप्त सफलता नहीं मिल पाई। चीन के साथ सीमा तनावों में पिछले तीन सालों में इजाफा हुआ है। 2020 का चीनी हमला, जो जाहिर है सुनियोजित था, उत्तरी लद्दाख के कुछ इलाकों को उसने दबा लिया है। भारत ने अपनी प्रतिक्रिया में अतिरिक्त बलों की नियुक्ति करते हुए सामरिक महत्व की कैलाश पर्वतमाला की पहाड़ियों पर सुदृढ़ नियंत्रण बना लिया। साफ है चीन को इस तरह के कदम की आस नहीं थी।

इसके बाद से, वरिष्ठ क्षेत्रीय सैन्य कमांडरों के बीच बैठकें तो होती रहीं किंतु यथा-स्थिति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि इलाका कब्जाने की चीनी कोशिशें निरंतर जारी हैं। भारत ने पाएदार प्रतिक्रिया में, अरुणाचल प्रदेश के त्वांग इलाके में भूमि दबाने के चीनी प्रयासों को सफलतापूर्वक निष्फल किया है। भारत-चीन सीमाओं पर तनाव आगे भी बने रहने के कयास हैं। चीन का निशाना एकदम साफ है कि वह लद्दाख और अरुणाचल प्रदेश में भारतीय फौज को दुरूह और अत्यंत ठंडे इलाके में फंसाए रखना चाहता है। चीजें तभी बदलेंगी जब चीन को अहसास हो कि उसकी 'सलामी कटिंग' नीति (छोटे-छोटे हिस्सों में भारतीय इलाका हड़पना) से भारत के रूस, अमेरिका और जापान से बढ़ते रिश्तों पर बदलाव नहीं आने वाला न ही इससे हिंद-प्रशांत महासागरीय क्षेत्र को लेकर, भारत का क्वाड और यू2आई2 जैसे समूहों के साथ आर्थिक एवं रक्षा गठबंधन बनाने के दृढ़-निश्चय पर कोई असर होने वाला है। बल्कि भारत ने शंघाई सहयोग संगठन और ब्रिक्स जैसे संगठन (जिसके सदस्य रूस और चीन भी हैं) की सदस्यता लेकर अपने इन प्रयासों में आगे विस्तार किया है।

चीन का नेपाल में भी भारत का प्रभाव घटाने को लेकर दृढ़-संकल्प बना हुआ है और नेपाल के राजनीतिक वर्ग के एक वर्ग को डोरे डाल रहा है। हालांकि कहने से ज्यादा यह कर दिखाना मुश्किल है क्योंकि समुद्र तट विहीन नेपाल और इसके लोग भारत पर काफी निर्भर हैं। जहां भारत और भूटान काफी लंबे समय से चली आ रही संधि पर प्रतिबद्ध हैं वहीं चीन अब भूटान के साथ सीमा संधि करके अपनी पैठ बनाना चाहता है। चीन के साथ वार्ता को आगे बढ़ाते वक्त वह भारत के साथ अपने आर्थिक, सांस्कृतिक व आध्यात्मिक संबंधों और भारतीय चिंताओं के प्रति संवेदनशील है। सबसे महत्वपूर्ण, भारत के साथ पाकिस्तान के टकराव को हवा देने के सिलसिले में चीन उसे रिवायती हथियारों की दिल खोलकर आपूर्ति करने के अलावा उसके परमाणु एवं मिसाइल कार्यक्रम में मदद करता आया है। चीन भारत की सामरिक रूप से घेराबंदी करने की नीति में काफी लंबे अर्से से लिप्त है। यह एक हकीकत है, इसका मुकाबला करने को दीर्घ-कालिक तैयारी रखे।

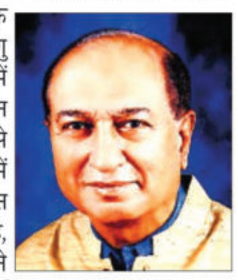

जी.पार्थसारथी

लंबे समय से, चीन की ओर से जो चुनौतियां बनती आई हैं, उस पर भारत के प्रतिक्रियात्मक प्रयास धीरे-धीरे गति पकड़ रहे हैं। इसके तहत, रूस से अच्छे संबंध कायम रखना है, भले ही पश्चिमी जगत एतराज करे, जो कि यूक्रेन युद्ध के बाद काफी बढ़ गए हैं। भारत का मानना है कि यूक्रेन के इलाकों पर रूसी कब्जा अनिश्चितकाल तक नहीं बना रह सकता और यह भी कि युवा और महत्वाकांक्षी यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की अपने इरादों को पूरा करने की जल्दी में अमेरिका के साथ पींगें बढ़ाने में कुछ ज्यादा ही आगे निकल गए और उसकी शह पाकर क्रीमिया पर नियंत्रण बनाना चाहा। चीन, जिसने रूस-यूक्रेन युद्ध में मध्यस्थता करने की पेशकश की है, उसे पता चल जाएगा कि यूक्रेन मसले का कोई भी हल तब तक नहीं मिल पाएगा जब तक कि क्रीमिया में रूस के महत्वपूर्ण हितों और दक्षिणी यूक्रेन में रूसी मूल के लोगों की समस्या का कोई समाधान न हो। रूस और यूक्रेन के बीच रिश्तों में जो कड़वाहट बनी है उसका फायदा उठाकर अमेरिका निकट भविष्य में रूस को नाथना चाहता है, जो कि असंभव काम है। इसी बीच, भारत के सामने यह मुश्किल कार्य होगा कि इस साल के अंत में देश में होने जा रहे जी-20 शिखर सम्मेलन की सफलता पर न तो चीन के साथ अपने सीमा संबंधी विवादों की छाया पड़ने दे और न ही उस गुटबंटी की, जिसमें एक ओर चीन-रूस है तो दूसरी ओर अमेरिका और उसके यूरोपियन सहयोगी मुल्क।

सेंगोल न्याय का प्रतीक

प्राचीन भारत की अनमोल विरासत सेंगोल यानी राजदंड एक प्रतिक जिसके ऊपरी सिरे पर नंदी विराजमान हैं यह धन-संपदा वैभव एवं न्याय का प्रतीक माना जाता है। तमिल परंपरा के अनुसार सेंगोल राजा को याद दिलाता है कि उन्हें न्यायपूर्ण और निष्पक्ष रूप से शासन करने के लिए सत्ता मिली हैं। संगोल का इतिहास मौर्य काल एवं गुप्त वंश काल से शुरू हो गया था लेकिन सबसे अधिक चर्चा चोल वंश के शासन काल में हुई। भारत के दक्षिण भाग में चोल साम्राज्य 907 से 1310 ईस्वी तक रहा इस वंश में राजेंद्र चोल (प्रथम) और राजाराज प्रतापी राजा थे। चोल से पूर्व पल्लवों का शासन था। भारत में अनेक प्रतापी राजवंश सत्ता पर आसीन हुए। पल्लव एवं चोल दक्षिण भारत के दो प्राचीन प्रतापी राजवंश थे।

नरसिंह वर्मन द्वितीय ने महाबलीपुरम में मन्दिरों का निर्माण करवाया यह मन्दिर अधिकतर शैव परम्परा के हैं। यहाँ का समुद्र तट पर स्थित शोर आठवीं शताब्दी पूर्व का है भगवान शिव के दो मन्दिरों के बीच में विष्णु मन्दिर का निर्माण कराया गया था। पल्लवों द्वारा ग्रेनाइट के ब्लॉकों का उपयोग कर शानदार संरचना का निर्माण द्रविड़ शैली में किया गया है। यहाँ के प्रसिद्ध पंच रथ मंदिर में पाँचों रथों का नाम महाभारत काल के पात्र पांडवों के नाम से रखा गया था। प्रवेश द्वार पर द्रोपदी रथ जो भगवती दुर्गा को समर्पित है, अन्य रथों से छोटा है। यह गुफा मन्दिर 7 वीं शताब्दी के अंत में पल्लवों द्वारा निर्मित किया गया यह विशाल शिला काट कर बनाये गये मंदिर है। 'गणेश रथ' दर्शनीय मंदिर है जिसकी रचना द्रविड़ शैली में की गई हैं। महाबली पुरम में एक पहाड़ को काट कर नों गुफा मन्दिर में काट छांट कर विभिन्न कथाओं के चित्र आज भी सजीव लगते हैं। इस वंश के शासको के समय के अभिलेख संस्कृत में हैं।

राज्याभिषेक के समय राजपुरोहित राजाओं को चक्रवर्ती उपाधि के साथ सेंगोल सौंपा जाता था। सत्तासीन राजा सर्वोच्च न्याय अधिकारी थे। वह विद्वानों और मंत्रियों की सलाह से अपराधियों को दंड देते थे दंड -1, मृत्युदंड 2 आर्थिक दंड सोने के सिक्के लिए जाते थे। वर्तमान पंचायती व्यवस्था चोल की देंन हैं। चोल राजवंश के बाद दक्षिण की सत्ता

में विजयनगर साम्राज्य स्थापित हो गया। भारत की आजादी के अवसर पर सेंगोल चर्चा में आया। वायसराय लॉर्ड माउंटबेटन ने सत्ता हस्तांतरण की प्रक्रिया के बारे में पंडित नेहरू से जानकारी मांगी ब्रिटिश सत्ता जायेगी तो प्रतीक के रूप में आपको क्या सौंपा जाएगा? नेहरु ने राजगोपालाचार्य से परामर्श किया उन्होंने सोच विचार कर सेंगोल के बारे में नेहरू जी को बताया सेंगोल मन्दिरों में कुछ शिव की प्रतिमाओं में नजर आता है। सहमति बनने के बाद उस वक्त थिरुवावदुथुरई आधीनम् के तत्कालीन प्रमुख अंबलवाण देसिगर स्वामी को इसका भार सौंपा गया।

सेंगोल के निर्माण में 15 कारीगरों ने दस दिन तक काम कर चांदी द्वारा निर्मित किया इस पर सोने का पत्तर चढ़ा था।ऊपर गोलाकार इसे विश्व का प्रतीक माना जाता है, उस पर नंदी की मूर्ती है। देसिगर स्वामी ने अपने सहायक पुजारी कुमारस्वामी तंबीरन को सत्ता हस्तांतरण की प्रक्रिया पूरी करने के लिए दिल्ली भेजा सेंगोल विधिवत मंत्रोच्चार द्वारा गंगाजल से पवित्र किया गया था। 14 अगस्त 1947 को रात 11 बजे के बाद तंबीरन ने सेंगोल माउंटबेटन को दिया। कहते है माउन्टबेटन से सेंगोल लेकर तमिलनाडु से आये पुजारियों ने फिर से सेंगोल पर पवित्र जल छिड़का नेहरू जी को वेदमंत्रों के उच्चारण के बीच माथे पर भस्म लगाकर उन पर गंगाजल छिड़का पीले अंगवस्त्र उढ़ा कर सोंपा गया। उपस्थित लोगों की तालियों की गड़गड़ाहट से हॉल में गूंज उठा। उन्होंने आनन्द भवन में रखवा दिया। उसे नेहरूजी छड़ी माना गया बाद में इलाहाबाद के म्यूजियम में रखवा दिया।

हेमेन्द्र क्षीरसागर

पुनः भारत की प्राचीन संस्कृति की यादगार सेंगोल में रूचि दिखाई गयी 1947 की यादगार को ताजा करते हुए पूजित सेंगोल उसी विधि से मोदी जी को सौंपा गया। संसद में स्पीकर की कुर्सी के दायें तरफ पास स्थापित किया गया। प्रजातंत्र में जनता सर्वोच्च है संसद, जनता के चुने प्रतिनिधि कानून बनाते हैं कार्यपालिका उनको लागू करती है ÷आज सेंगोल विधि का शासन न्याय का प्रतीक हैं÷। यथेष्ठ, भारत के लोकतंत्र का मंदिर जनसरोकार, सांस्कृतिक, न्याय और राष्ट्रीयता संकल्पना की अभिव्यक्ति हमारा संसद, हमारा मान है।

गतिशील भारत के सपनों का हकीकत बनना

दुनिया की सबसे प्राचीन मानव सभ्यता और सबसे पुराने, सबसे बड़े एवं सबसे जीवंत भारतीय लोकतंत्र का सपना था 'सर्वे भवंतु सुखिनः' अर्थात इस धरती पर सब सुखी हों, सब समृद्ध हों। पिछले 9 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने इस दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। निर्णायक प्रशासनिक कौशल, अपार जन-समर्थन और आधुनिक तकनीक के साथ एक संकल्पवान प्रधानमंत्री ने इसे संभव कर दिखाया है। इससे युवाओं, महिलाओं, किसानों, शोषितों, वंचितों और सबसे गरीब लोगों में आशा जगी है और विश्वास बना है कि केंद्र में उनकी सरकार है जो उनके जीवन उत्थान के लिए अहर्निश काम कर रही है।

अतीत में एक प्रधानमंत्री ने स्वीकार किया है कि अंतिम लाभार्थी तक सरकार द्वारा उनके लिए आवंटित राशि का लगभग 14-15 प्रतिशत हिस्सा ही उन्हें मिल पाता है। वर्तमान प्रधानमंत्री ने लास्ट माइल डिलीवरी सुनिश्चित की है। लगभग 48 करोड़ लोगों के बैंक एकाउंट खोले गए ताकि लाभार्थियों को उनका हक बिना किसी लीकेज के सीधे उनके बैंक एकाउंट में मिले। हालांकि बेरोजगारी दुनिया भर में एक बड़ा मुद्दा है लेकिन इससे बेहतर तरीके से निपटने के लिए मोदी सरकार ने प्रभावी कदम उठाये हैं। न केवल शहरों बल्कि देश के दूरदराज इलाकों में कौशल केंद्र स्थापित किए गए हैं।

केंद्र सरकार ने श्रमिकों के गरिमापूर्ण जीवन के लिए श्रम योगी मानधन योजना बनाई है। कई अवसरों पर प्रधानमंत्री ने स्वयं श्रमवीरों को सम्मानित किया है। भारत की श्रमशक्ति ने देश के विकास में अभूतपूर्व योगदान दिया है। देश में बीते 9 वर्षों में इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट में अभूतपूर्व प्रगति हुई है। अतीत में यूरोप की यात्रा के दौरान मैं कई लोगों की टिप्पणियां सुनता था कि यूरोप जैसा बुनियादी ढांचा और यात्रा में आसानी भारत में कभी नहीं हो सकती लेकिन इतने कम समय में वे गलत साबित हुए हैं।

बीते सालों में विनाशकारी कोविड महामारी, रूस-यूक्रेन युद्ध, बढ़ती जलवायु संबंधी चिंताएं, सप्लाई चेन में अवरोध, दुनिया भर में लगातार बढ़ती मुद्रास्फीति, दुनिया के कई हिस्सों में ध्रुवीकरण, देशों के बीच घटते विश्वास एवं सहयोग तथा मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दे विश्व स्तर पर पारिस्थितिकी तंत्र को प्रभावित कर रहे हैं। इस आलोक में जहां एशिया में कई सरकारें विफल सिद्ध हो रही हैं, भारत बीते 9 साल में अपने साहसिक निर्णयों के बल पर तेज गति से आगे बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था के रूप में प्रतिष्ठित हुआ है।

ये सच है कि भारत में दुनिया की आबादी का छठा हिस्सा रहता है लेकिन भारत की आवाज़ कभी भी उस तरह से नहीं सुनी गई जैसे अब सुनी जा रही है। आज भारत बोलता है तो दुनिया सुनती है। कुल मिलाकर, अंतर्राष्ट्रीय जगत में भारत अपना सही स्थान पा रहा है। इसका श्रेय वर्तमान सरकार एवं उसकी सही नीतियों को जाता है। रूस-यूक्रेन संघर्ष के दौरान किसी का पक्ष नहीं लेने की कुशल नीति और दुनिया को तर्कपूर्ण जवाब तथा अन्य वैश्विक मुद्दों पर सार्थक पहल ने भारत को एक मजबूत वैश्विक शक्ति, एक परिपक्व मध्यस्थ और दुनिया के पेसमेकर के रूप में स्थापित किया है। जहां दुनिया की बड़ी-बड़ी अर्थव्यवस्थाएं धराशायी हो रही हैं, वहां भारतीय अर्थव्यवस्था ने शानदार प्रदर्शन जारी रखा है। मोदी सरकार ने कोविड महामारी के दौरान गरीब कल्याण अन्न योजना जैसा क्रांतिकारी कदम उठाया यह सुनिश्चित करने के लिए ताकि देश में कोई भूखा न सोने पाए। यह एक लोक-कल्याणकारी सरकार की संवेदनशीलता को दर्शाता है।

भारत में घरेलू एवं अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन की अपार संभावनाएं मौजूद होने के बावजूद देश के तीर्थस्थलों का विकास आजादी के 70 सालों में भी न हो पाया था। तीर्थस्थलों के बुनियादी ढांचे जर्जर थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सभी तीर्थस्थलों और आस्था के केंद्रों के जीर्णोद्धार एवं वहां विकास का बीड़ा उठाया। पिछले कुछ वर्षों में काशी, उज्जैन, सोमनाथ, अंबाजी, ऋषिकेश, केदारनाथ, बदरीनाथ जैसे बड़े तीर्थस्थलों का जो स्वरूप बदला है, उसने श्रद्धालुओं के मन में आशा, विश्वास एवं आकांक्षाओं की नई बुनियाद रखी है।

हालांकि सभी राजनीतिक नेताओं और पार्टियों की धार्मिक अनुष्ठानों और प्रथाओं में आस्था है, लेकिन वे इसके बारे में कभी खुले नहीं थे। ये प्रधानमंत्री मोदी ही हैं जिन्होंने इसे स्वीकार करने में कभी हिचक नहीं दिखाई और अपने कर्तव्यों का अक्षरशः पालन करने के साथ-साथ इसके गौरव को भी फिर से स्थापित किया। उन्होंने विश्व के अन्य नेताओं को भारतवर्ष की इन अमूल्य विरासतों से परिचित कराया। किसी भी समाज की प्रगति लोगों के विश्वास और आत्म-सम्मान पर निर्भर करती है। अपनी जड़ों और अपनी संस्कृति का सम्मान करने से समाज में आत्म-सम्मान पैदा होता है।

कला और संस्कृति को नरेन्द्र मोदी सरकार ने बहुत महत्व और प्रोत्साहन दिया है। कई नए संग्रहालय खोले गए हैं और कला के सभी रूपों को जगह मिली है। इससे पता चलता है कि हमारे पास क्या संभावनाएं हैं और कैसे हम 'स्लीपिंग जायंट्स' के रूप में उसांसें ले रहे थे जिसे अपनी वास्तविक क्षमता का एहसास ही नहीं था।

भारत ने शिक्षा क्षेत्र में भी क्रांतिकारी कदम उठाये हैं। पुरानी औपनिवेशिक शिक्षा प्रणाली की तुलना में नई शिक्षा नीति एक ऐसी क्रांति है जो पुरातनता के साथ-साथ आधुनिक सभ्यता की बुद्धिमत्ता पर आधारित है। भारतीय प्रतिभा का पूरी दुनिया में सम्मान होता है। अब उन्हें अपनी रचनात्मकता को व्यक्त करने के लिए एक खुला मैदान मिला है। शिक्षा में सुधार की पहल ने देश में शिक्षा की गुणवत्ता में वृद्धि की है और इसे सर्व-सुलभ बनाया है।

श्री श्री रविशंकर

जिस पूर्वोत्तर को लंबे समय तक नजरअंदाज किया गया, वह अपनी कई संभावनाओं के प्रति जाग्रत हो उठा है। जम्मू-कश्मीर में विकास के एक नए युग का उदय और महिलाओं को दिया गया न्याय 'न्यू इंडिया' की अवधारणा को रेखांकित करता है। यह दर्शाता है कि अपने ही लोगों के साथ की गई गलती को कैसे सुधारा जा सकता है।

बहुत से लोग इस बात से वाकिफ नहीं हैं कि केंद्र सरकार ने अफगानिस्तान को एक नया संसद भवन उपहार में दिया है। नाइजीरिया में राष्ट्रपति भवन भी कुछ साल पहले भारत ने बनाया था। और अब, प्रधानमंत्री मोदी ने हमारे संविधान और परंपरा का सम्मान करते हुए भारतीय संस्कृति एवं विरासत के आधार पर एक सुंदर संसद भवन हमारे देश को समर्पित किया है। इतने कम समय में निर्मित एक अद्भुत संरचना- हर देशवासी को इस पर गर्व होना चाहिए।

हालांकि कई जगह त्रुटियां हैं, कई गलतियां भी की गई, जिन्हें टाला जा सकता था, और अभी हमें बेरोजगारी, बढ़ती कीमतों तथा अन्य सामाजिक मुद्दों पर एक लंबा सफर तय करना है। वर्तमान सरकार जिस गति से चुनौतियों का समाधान कर रही है, वह वास्तव में प्रशंसनीय है और यह देश के उज्ज्वल भविष्य की उम्मीद जगाती है।

मेहनत से ज्यादा आकर्षक लूट का रास्ता

पार्लियामेंट की नई बिलिं्डग की लागत एक हजार करोड़ रुपये से ज्यादा आने का अनुमान है। साल 1648 में दिल्ली में लाल किला 60 लाख रुपये में बन गया था, ताजमहल भी करीब 3 करोड़ रुपये से ज्यादा की लागत का बना था। शाहजहां का सुपर लग्जरी सिंहासन तख्ते ताऊस करीब 6 करोड़ रुपये का बना था। शाहजहां तक के मुगल बादशाहों ने कमाने में मेहनत की, बाद के मुगल बादशाहों ने भी कम मेहनत ना की, इस कमाई को उड़ाने में।

फिर एक दिन ईरान से एक लुटेरा आया- नादिर शाह, वह तख्ते ताऊस को लूटकर ले गया। बहुत मेहनत लगी तख्ते ताऊस बनाने में, और उसे कुछ दिनों में ही लूटकर नादिर शाह ले गया।

लूट का रास्ता आसान रास्ता होता है। ईरान के लुटेरों ने यही फॉलो किया और ब्रिटेन से आये व्यापारिक लुटेरों ने भी यही किया। तो अक्लमंदी यही है कि ज्यादा से ज्यादा बड़ी रकम को इमारतों में लगा दिया जाये, तो उन्हें लुटेरे ले नहीं जा सकते। लाल किला अगर 60 लाख के बजाय 6 करोड़ का बना दिया गया होता, तो पक्के तौर पर इसे लूटकर नहीं ले जाया जा सकता था।

नई संसद को भी अगर और महंगा बनाया जाता तो फिर मामला शायद सेफ हो सकता था। पंजाब नेशनल बैंक की मोटी रकम को लूटकर विजय माल्या ले गये ब्रिटेन। पंजाब नेशनल बैंक लूटी गयी रकम को अगर बिल्डिग में लगा देता, तो शायद रकम बच जाती।

आलोक पुराणिक

पर इंडिया से लूटी गयी रकम पर अगर रोयें, तो परम बेवकूफ दिखायी देते हैं। रकम लुट जाये तो बुरा लगता है, पर रकम लुटने के बाद किसी के सामने रोयें और वह बेवकूफ बताये तो बहुत ही बुरा होता है। ऑनलाइन लूट होती है, कोई बताता है कि ऑनलाइन उसके खाते में से लाखों रुपये पार हो गये। ज्यादा बुरा यह लगता है कि लूट का यह कांड सुनकर कोई कहे-बहुत बेवकूफ हो जी।

खैर संसद की नई बिलिं्डग का एक बड़ा फायदा यह हुआ कि टीवी डिबेट में अब कुछ वक्त के लिए पुराने घिसे पिटे बेवकूफी वाले विषयों से मुक्ति मिली, बेवकूफी के कुछ नये टॉपिक आ गये। सेंगोल नया विषय है, इसे पूरे तौर पर निचोड़कर ही मानेंगे टीवी चैनल।

सेंगोल को अब लूटकर कोई ईरानी नहीं ले जा सकता, बस इसे अपने ही सांसदों से बचाया जाना चाहिए। कहीं ऐसा ना हो कि सांसद किसी दिन गुस्से में सेंगोल को उखाड़कर-खींचकर ले जायें। पर साहब यह तो पहले ही तय हो चुका है कि ज्यादा आसान काम लूटने का होता है।

पड़ोसी ने कोलगेट के डिब्बे में फिट कर दिया बम, मंजन करने गई लड़की तो हो गया विस्फोट

माही की गूंज, कलापीपल।

जिले में कोलगेट टूथ पाउडर के डिब्बे में बनाए गए देशी बम से ब्लास्ट हो गया। इस धमाके में 11 वर्ष की लड़की गंभीर रूप से घायल हो गई। यह घटना कालापीपल थाना क्षेत्र के बेहरावल गांव में हुई। जहां सोमवार सुबह कोलगेट पाउडर के डिब्बे में ब्लास्ट होने से 11 वर्ष की आयुषी घायल हो गई। आयुषी को सुबह घर के आंगन में कोलगेट टूथ पाउडर का डिब्बा पड़ा दिखाई दिया। जैसे ही लड़की ने इस डिब्बे को अपने हाथ में लिया जोरदार धमाके के साथ ब्लास्ट हो गया।

इस धमाके से आयुषी के हाथ और पैरों में चोट आ गई। धमाके की जोरदार आवाज सुनकर घर में मौजूद परिजन तुरंत लड़की के पास पहुंचे। देखा कि लड़की बुरी तरह से घायल है। उसके हाथ पैरो से खून निकला रहा था। टूटे हुए कोलगेट पाउडर के डिब्बे में कुछ सेल और वायर लगे हुए थे।

परिजनों ने पड़ोसी पर लगाया आरोप

घटना की जानकारी मिलते ही लड़की के पिता सीताराम मीणा तुरंत खेत से घर पहुंचे। घायल बेटी को लेकर तुरंत अस्पताल पहुंचे। इलाज के बाद लड़की की हालत ठीक है। वहीं, इस ब्लास्ट के पीछे लड़की के पिता और परिजनों ने अपने पड़ोसी पर आरोप लगाया है। पिता का कहना है कि पड़ोसी से उनका जमीन कब्जे को लेकर पुराना विवाद चल रहा है। रंजिश के चलते उसी ने यह ब्लास्ट की साजिश की है।

इस मामले पर कालापीपल थाना प्रभारी रवि भंडारी मौके पर पहुंचे। परिजनों की शिकायत पर मामला दर्ज कर पुलिस टीम जांच में जुट गई है। आखिर यह विस्फोट किसने और क्यों किया...? परिजनों के शक के आधार पर पड़ोसियों से भी पूछताछ जारी है।

घायल लड़की को भोपाल किया था रेफर

बेटी के पिता सीताराम मीणा ने कहा कि, बच्ची बाहर आंगन में मुंह धोने और ब्रश करने के लिए गई थी, तभी यह हादसा हो गया। हम बच्ची के उपचार के लिए हॉस्पिटल लेकर आए। जहां पर डॉक्टरों द्वारा बच्ची का इलाज किया गया। उसके बाद डॉक्टरों ने बच्ची को भोपाल रेफर करने का बोल दिया।

वहीं, शाजापुर एडिशनल एसपी ने बताया कि, विस्फोटक अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस मामले में आरोपी संदीप और चतुर्भुज का नाम सामने आया है। पूरे मामले में पुलिस जांच कर रही है।

पहले शराब पिलाई फिर गला दबाकर की हत्या

आरोपियों को मिली यह सजा

माही की गूंज, शाजापुर।

जिला न्यायालय के विशेष न्या?याधीश (एससी/एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम) एवं प्रथम अपर जिला न्यायाधीश के न्यायालय ने हत्या के प्रकरण में अपने निर्णय में आरोपी गीताबाई पति मेहरबान सिंह बागरी (35) निवासी सुनेरा बल्र्डी, शिवनारायण उर्फ शिवलाल पिता मांगीलाल मालवीय (32) निवासी ग्राम सुनेरा बल?डी, मंसूर खान पिता लतिफ खान (50) निवासी ग्राम सुनेरा बल्र्डी को दोषी पाते हुए तीनों आरोपियों को हत्या के प्रकरण में आजीवन कारावास एवं पंद्रह-पंद्रह सो के अर्थदण्ड से दण्डित किया है।

उपसंचालक अभियोजन प्रेमलता सोलंकी ने बताया कि, 20 दिसम्बर2018 को ग्राम तिंगजपुर मोचीखेडी रोड फरीद खान निवासी मोचीखेडी के खेत की मेढ पर मेहरबान पिता कचरूलाल बागरी निवासी सुनेरा बल्र्डी की लाश खेत में पडी मिली थी। अनुसंधान के दौरान पुलिस ने पाया कि, मृतक की पत्नि गीताबाई के अवैध संबंध आरोपी मंसूर खां से थे। गीताबाई ने मंसूर खान के साथ षड्यंत्र रच 19 दिसम्बर 2018 को विवाह में अपने पति के साथ जा रही है और उसे अपने हिसाब से देखलेने की सूचना दी। इस पर आरोपी मंसूर खान ने अपने दोस्त शिवनारायण के साथ मिलकर मोटरसाईकिल से मृतक मेहरबान को ले जाकर पहले शराब पिलाई पश्चात गला दबाकर हत्या कर घटना स्थल पर फेंक दिया। थाना सलसलाई पर आरोपीगण के विरूद्ध धारा 302, 201, 120 भादवि एवं 3(2) एससी/एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध किया गया। बाद विवेचना अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। प्रकरण में अभियोजन की ओर से पैरवी उपसंचालक (अभियोजन) सुश्री प्रेमलता सोलंकी व रमेश सोलंकी, अतिरिक्त जिला लोक अभियोजन अधिकारी द्वारा की गई।

महा जनसंपर्क अभियान को लेकर भाजपा महिला मोर्चा की बैठक सम्पन्न

माही की गूंज, मंदसौर।

भाजपा जिला अध्यक्ष नानालाल अटोलिया के अतिथ्यि में तथा भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सुषमा आर्य, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष निर्मला गुप्ता के नेतृत्व में भाजपा महिला मोर्चा मंदसौर विधानसभा व मल्हारगढ़ विधानसभा की अति आवश्यक बैठक भाजपा जिला कार्यालय पर सम्पन्न हुई।

बैठक का शुभारंभ पं. दीनदयाल उपाध्याय, डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। बैठक में मंचस्थ अतिथियों का स्वागत महिला मोर्चा पदाधिकारियों द्वारा किया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया ने कहा कि, अभी हम सभी के लिए पुनः एक बार परीक्षा की घड़ी आन पड़ी है। कुछ माह बाद ही विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इसकी तैयारी हमें अभी से प्रारंभ करना होगी। इसी उद्देश्य को लेकर प्रदेश नेतृत्व के मार्गदर्शन में 30 मई से 30 जून तक पूरे जिले में महा जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता केन्द्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को लेकर घर-घर पहुंचेंगे। आप सभी महिला मोर्चा की बहनों से आग्रह है कि आप भी इस महा जनसंपर्क अभियान में अपनी पूरी शक्ति के साथ सहभागिता करें। उक्त बैठक में महिला मोर्चा जिला उपाध्यक्ष सुनीता गुजरिया, संध्या शर्मा, बिंदु चन्द्रे, जिला योजना समिति सदस्य अनिता कोठारी मंचस्थ थे। बैठक में महिला मोर्चा जिला कार्यालय मंत्री निर्मला गर्ग, नगरी नगर पंचायत अध्यक्ष संगीता बगड़, मल्हारगढ़ नगर पंचायत अध्यक्ष शर्मिला कछावा, नारायणगढ़ नगर पंचायत अध्यक्ष ममता कुंवर सहित मोर्चा की मंदसौर एंव मल्हारगढ़ विधानसभा की अपेक्षित श्रेणी की बहनें उपस्थित थीं।

पटवारी पर लगे जमीन की हेरा-फेरी के गंभीर आरोप

माही की गूंज, शाजापुर।

शाजापुर में पदस्थ गौरव शर्मा पटवारी पर ग्राम बाईहेड़ा की महीला सुगनबाई ने आरोप लगाते हुए जनसुनवाई में एक आवेदन प्रस्तुत किया है। आवेदन में पटवारी शर्मा द्वारा फर्जी तरह से सुगनबाई की जमीन को हड़पने का आरोप लगाया है। आवेदन में यह भी बताया गया है कि, सुगनबाई के एक भाई श्रीराम पिता गंगाराम के पास शासकीय जमीन 27/2 थी जिसे 25/2 बताकर गौरव शर्मा के द्वारा खरीद लिया गया है। ग्राम बाईहेड़ा में पटवारी हल्के पर निधि शर्मा जो कि गौरव शर्मा की धर्मपत्नि है पदस्थ है लेकिन पटवारी निधि शर्मा के बजाए गौरव शर्मा के द्वारा कागज़ी कार्यवाही की गई है।

पूर्व में भी लग चुके आरोप

पटवारी गौरव शर्मा पर ग्राम बाईहेड़ा के निवासी भूपेन्द्रसिंह के द्वारा यह आरोप लगाया जा चुका है कि, गौरव शर्मा के द्वारा शासकीय नौकरी विकलांगता के आधार पर ली गई है। जबकी गौरव शर्मा को एक कान से कम सुनाई देता है यानी गौरव शर्मा पूर्ण रूप से विकलांग नहीं है।

तहसील से नियमों का हवाला देकर कन्नी काटी

गौरव शर्मा के द्वारा तहसील कार्यालय में दायर एक आरटीआई के जवाब में 8 (1) का हवाला देकर गौरव शर्मा के संबंध में कोई भी जानकारी देने से साफ मना कर दिया गया है। जो आरटीआई के जवाब में प्राप्त हुआ है।

वहीं पिड़िता सुगनबाई एक विधावा है और आवेदन पर कलेक्टर से मौके पर मुआयना कर कार्रवाई की मांग की है।

सलसलाई थाना प्रभारी वीर सिंह देवड़ा की गुंडागर्दी

माही की गूंज, शाजापुर।

जिले के सलसलाई पुलिस थाना एक बार फिर सोशल मीडिया चर्चा का विषय बना हुआ है। आपको बता दें कि, लगातार मीडिया की सुर्ख़ियों में बने रहने वाले सलसलाई थाने का पुलिस स्टाफ एक बार फिर सोशल मीडिया पर चर्चित होता दिखाई दे रहा है। सलसलाई थाना प्रभारी वीर सिंह देवड़ा का ऑडियो सोशल मीडिया पर खूब जमकर वायरल हो रहा है। जिसमें थाना प्रभारी थाने पर आए व्यक्ति के साथ खूब जमकर गाली-गलौज कर रहे हैं। साथ ही थप्पड़ मारते हुए भी सुनाई दे रहा है। वही ऑडियो में जातिसूचक शब्दों का भी थाना प्रभारी इस्तेमाल कर रहे हैं। जिसमें थाना प्रभारी कह रहे हैं कि, तू ठाकुर है तो क्या ठाकुर वाद चलाएगा साथ ही क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों का भी ऑडियो में जिक्र हो रहा है। वही मामले में जिस व्यक्ति का ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है उसका कहना है कि, मैं गुलाना कॉलेज में गेस्ट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हूं और पिछले दिनों गुलाना कॉलेज में पदस्थ महिला प्रोफेसर के द्वारा मेरे ऊपर छेड़छाड़ सहित अन्य मामलों की शिकायत पुलिस अधीक्षक के पास की गई थी। जिसके बाद थाना प्रभारी के द्वारा मुझे थाने पर बुलाया गया और ना ही मुझ से किसी तरह की पूछताछ की गई और ना ही आवेदन की जांच की उसके पहले ही मेरे साथ गाली गलौज और मेरी समाज को गाली दी गई। साथ ही मेरे साथ मारपीट भी की गई और क्षेत्र के जनप्रतिनिधि को भी गाली दी गई और जो ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, वह मेरा ही है। वही मामले में फोन पर शाजापुर पुलिस अधीक्षक यशपाल सिंह राजपूत ने ऑडियो की जांच करवाने की बात कही।

बिलड़ी में तीन डिग्री कर्व खत्म करने के लिए डाला 900 मीटर लंबा नया ट्रैक

माही की गूंज, रतलाम।

मुंबई-दिल्ली रेलमार्ग पर वर्ष 2024 तक ट्रेनों की स्पीड 160 किमी प्रतिघंटा करने के लिए रतलाम मंडल में गोधरा से नागदा तक के रेलमार्ग पर क्रमवार कर्व खत्म किए जा रहे हैं। पूर्व में रतलाम-नागदा के बीच बांगरोद-रूनखेड़ा सेक्शन में एक डिग्री, खाचरौद-बेड़ावन्या के बीच तीन डिग्री के कर्व को खत्म करने के बाद अब रतलाम-गोधरा रेलखंड पर बिलड़ी में भी तीन डिग्री के कर्व को 900 मीटर नया टर्नआउट डालकर खत्म किया गया। इस कार्य में सात दिन का समय लगा।

वर्ष 2017-18 में स्वीकृत हुए इस प्रोजेक्ट में अधिक वजन वाली रेल पटरियां लगाने के साथ ही ब्रिज मजबूत किए गए हैं। सिग्नल तकनीक भी आधुनिक संसाधनों से लैस की जा रही है। पटरियों के नीचे लोचदार एच-बीम स्लीपर लगाए गए हैं। स्पीड बढ़ने से मुंबई से दिल्ली के बीच का सफर 12 घंटे में पूरा हो जाएगा जबकि अभी 15 से 16 घंटे लगते हैं।

स्पीड का प्रतिबंध होने से आ रही थी समस्या

पूर्व में बिलडी यार्ड में तीन डिग्री कर्व होने से अप लाइन पर 80 किमी प्रतिघंटा व डाउन लाइन पर 75 किमी प्रतिघंटा का गति प्रतिबंध होने के कारण ट्रेन परिचालन में संरक्षा एवं गति प्रभावित होने के साथ रतलाम-गोधरा खंड में ट्रेन सघनता की भी समस्या थी। इस मार्ग पर प्रतिदिन चलने वाली ट्रेनों की संख्या अधिक होने से बिलड़ी में कर्व खत्म करना चुनौतीपूर्ण था। इसके लिए सात दिन का समय लिया गया। करीब 900 मीटर लंबा नया टर्नआउट डालने के लिए कटिंग को चौड़ा करना, ट्रैक डालने के लिए नया फार्मेशन, बैलास्ट बेड तैयार करने जैसे महत्वपूर्ण कार्य करने के बाद इस पर पुराने टर्नआउट को डिस्मेंटल किया गया।

विद्युतीकरण साथ में ही कर बचाए एक करोड़ रुपये

स्थाई गति प्रतिबंध को हटाने के साथ समानांतर बिलड़ी स्टेशन पर पैनल इंटरलाकिंग के स्थान पर इलेक्ट्रानिक इंटरलाकिंग कार्य को भी पूरा किया गया। इसके लिए लगभग 12.06 करोड तथा इलेक्ट्रानिक इंटरलाकिंग के लिए लगभग सात करोड़ का फंड स्वीकृत हुआ था। दोनों काम एक साथ करने पर समय की बचत के साथ लगभग एक करोड़ रुपये की लागत भी कम हुई। इस दौरान बिलडी स्टेशन पर नए स्टेशन भवन का निर्माण भी पूरा किया गया।

श्रीमद् भागवत कथा में श्री कृष्ण जन्म महोत्सव पर झूमे श्रद्धालु

माही की गूंज, शुजालपुर।

शुजालपुर के समीप ग्राम ईंचिवाड़ा के शिवालय मंदिर में भागवत कथा में प्रभु श्री कृष्ण का जन्म दिवस मनाया। इस अवसर पर समस्त ईंचिवाडा ग्रामवासियों के तत्वाधान में शिवालय मंदिर के प्रांगण में हो रही श्रीमद् भागवत ज्ञान गंगा के चौथे दिन श्री कृष्ण जन्मोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। कथा में जैसे ही श्री कृष्ण प्रसंग आया पूरा पंडाल हाथी घोड़ा पालकी जय कन्हैया लाल के जयकारों से गूंज उठा।

श्रद्धालुओं ने बाल स्वरूप श्री कृष्ण के दर्शन किए और व्यास पीठ पर विराजित प्रीति जी नागर ने कान्हा को दुलारा मक्खन खिलाया कथा में प्रीति जी नागर ने श्री कृष्ण प्रसंग सुनाते हुए कृष्ण की बाल लीलाओं का वर्णन करते हुए कहा कि, कंस के अत्याचारों के कारण ही उसने अभिमान और अनीति पूर्वक राज करने के लिए अपने पिता उग्रसेन को बंदी बना लिया था। आकाशवाणी से अपनी भावी मृत्यु का संकेत पाकर उसने अपनी बहन देवकी और बहनोई वासुदेव को बंदी बनाकर कारागार में डाल दिया। वहां एक-एक करके उनके छह पुत्रों की हत्या कर दी। सातवें गर्भ में खुद शेषनाग के आने पर योग माया ने उनके देवकी के गर्भ से निकालकर वासुदेव की पहली पत्नी रोहणी के घर में स्थापित कर दिया। भगवान ने आठवीं संतान के रूप में जन्म लिया। इस दौरान बालकृष्ण को कंस के कारागार से नंद बाबा के घर ले जाने की झांकी भी प्रस्तुत की गई।

वही श्रीमद भगवत गीता में पूर्व विधायक जसवंत सिंह हाडा भी शामिल हुए। वहीं श्रद्धालुओं एवं ग्राम की समिति द्वारा लगातार 7 दिन के यज्ञ और श्रीमद्भगवद्गीता के चलते हुए प्रतिदिन श्रद्धालुओं द्वारा भंडारा का आयोजन किया जा रहा।

श्रीमद् भागवत कथा के साथ की सीता राम लक्ष्मण की प्रतिमा की स्थापित

माही की गूंज, शाजापुर।

सालिया टेकरी हनुमान मंदिर प्रांगण में चल रही सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के अंतिम दिन श्रद्धालु आनंद लेते झुमते नजर आए। जहां भव्य कलश यात्रा व भंडारे का आयोजन हुआ। साथ ही सालिया टेकरी हनुमान मंदिर पर गांव के पुर्ण आर्थिक सहयोग से सियाराम लक्ष्मण की प्रतिमाएं स्थापित की गई। इस पवित्र आयोजन में गांव के कई दम्पत्तियो जोडो ने यज्ञ कुंड में आहुति लगाई। जिसमें आसपास के करीब 10 से 12 गांव के श्रद्धालु कार्यक्रम में पुण्य लाभ लेने पहुंचे साथ ही अब सालिया टेकरी का नाम भी बदलकर रामनगर रखा गया है।

कथावाचक व गांव की समिति ने मिडिया से चर्चा के दौरान बताया कि, हमारे छोटे से गांव में भगवान श्री राम लक्ष्मण सीता जी विराजमान हुए हैं। अब से सालिया टेकरी को अब रामनगर के नाम से जानेंगे। वहीं कार्यक्रम में सिरकत करते हुए उज्जैन कीर धर्मशाला अध्यक्ष तेजु बाबा एवं श्री कुबेर राज गौ सेवा संगठन टीम इंदौर ने भी उपस्थित होकर गौ सेवा के कई मुद्दों पर विस्तृत चर्चा करते हुए शुभकामनाएं प्रेषित की। वहीं कथावाचक संत श्री सत्यनारायण शास्त्री ने श्रीमद् भागवत कथा के मुख्य उद्देश्य बताते हुए कहा, भागवत भाग्य का उदय करने वाली अमृतमय कथा है। सनातनधर्मीयों इस ज्ञान रूपी गंगा के उद्देश्यों को अपने जीवन में अवश्य उतारने का प्रयास करें।

जेल जाने से बचने के लिए आरोपी ने लगाई रेलवे ब्रिज से छलांग

माही की गूंज, खंडवा।

जेल जाने से बचने के लिए बलात्कार के एक आरोपी ने रेलवे ब्रिज से छलांग लगा दी। पुलिस आरोपी को न्यायलय में पेश करने ले जा रही थी, इसी दौरान यह घटना हो गयी । पुलिस ने तुरंत नाका बंदी कर आरोपी को ब्रिज के नीचे एक पिल्लर के पास छिपते हुए धर दबोचा। ब्रिज से निचे गिरने पर आरोपी गंभीर रूप से घायल हो गया। आरोपी पर खंडवा जिले के मान्धाता थाने में बलात्कार का आरोप दर्ज हुआ था, जिसके चलते पुलिस उसे न्यायलय पेश करने ले जा रही थी, इसी दौरान उसने यह कदम उठा लिया। फिलहाल आरोपी का इलाज पुलिस की निगरानी में किया जा रहा है।

बता दें कि, दुष्कर्म के एक मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया था। जिसके बाद उसे पुलिस न्यायालय पेश करने ले जा रही थी तभी बीच रास्ते में उसने यह कदम उठा लिया।

ऐसे भागा बलात्कार का आरोपी

बलात्कार के मामले में एक आरोपी को मान्धाता थाने की पुलिस न्यायालय में पेश करने खंडवा लेकर आयी थी। लेकिन, खंडवा पहुँचने के बाद बीच रास्ते में रेलवे ब्रिज पर आरोपी ने गाडी से कूदकर भागने का प्रयास किया। ब्रिज पर दोनों ही तरफ उस वक्त भारी ट्रैफिक होने की वजह से आरोपी ने रेलवे ब्रिज से ही छलांग लगा दी। लेकिन वह फिर भी भाग नहीं पाया। ऊपर से नीचे गिरने पर उसे गंभीर चोटे आ गयी, जिसके चलते वह वहीं पिल्लर के पास छिप गया। जिसे कुछ ही देर में पुलिस कर्मियों ने घेराबंदी कर धर दबोचा।

इधर, खंडवा सीएसपी पूनमचंद यादव ने घटना के संबंध में बताया कि, थाना मान्धाता क्षेत्र का बलात्कार का एक आरोपी था, जिसे पुलिस न्यायलय में पेश करने के लिए लेकर जा रही थी। इसी बीच आरोपी ने ब्रिज पर गाडी से उतरकर भागने का प्रयास किया था जिसमे वह घायल हो गया है। आरोपी युवक को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहाँ उसका उपचार चल रहा है। हालाँकि जब यादव से पूछा गया कि आरोपी घायल कैसे हुआ, तब उन्होंने बताया कि उन्हें जो जानकारी मिली है उसके अनुसार आरोपी युवक गाडी से कूदकर भागा और इसी दौरान वह ब्रिज से नीचे कूद गया और उसके बाद उसे चोट लगी है। घटना के संबंध में जब सीएसपी से दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्यवाही को लेकर पूछा गया तो उन्होंने बताया कि इस मामले में वे जांच करने के बाद जो भी वैधानिक कार्रवाई होगी वो करेंगे।

सेटिंगबाज पुलिस कर्मियों की सेटिंग से ट्रक के 4 टायर चोर ले गए बड़ी आसानी से खोलकर

माही की गूंज, शुजालपुर। अजय राज केवट

आरटीओ शाजापुर अंबिका प्रसाद श्रीवास्तव द्वारा मंडी प्रांगण में आकर कई गाड़ियों के चेकिंग की गई थी। जिसमें 2 ट्रकों पर ज्यादा टैक्स बकाया होने के कारण उन्हें जप्त कर शुजालपुर सिटी थाने पर खुद की मौजूदगी में एमपी 09 केसी 6505 व एमपी 09 केसी 7952 दोनों गाड़ियों को सही सलामत सेल्फ स्टार्ट सिटी थाने के अंदर खड़ी की गई थी। मगर कुछ दिन बाद एक ट्रक एमपी 09 केसी 7952 को तो मोटर मालिक द्वारा टेक्स भरकर छुड़ा ले गए थे और दस चक्का गाडी को नही ले गए थे। 10 टायर पर 19 टन गेहूं भरी हुई थी जिससे कुछ दिन बाद में शासकीय गेहूं को दुसरी गाड़ी क्रासिंग करा दीया गया था। जबकि ट्रक क्रमांक एमपी 09 केसी 6505 को थाना शुजालपुर सीटी थाना क्षेत्र में ही खड़ा था। जिसे कुछ महीनों बाद में थाने के अधिकारियो की सेटिंग से ट्रक एमपी 09 केसी 6505 के 4 टायर डिक्स समेत व बैटरी जेसे कई अन्य सामान को थाने के स्टाफ की सेटिंग से चोर बडी आसानी से खोल कर थाने के अंदर से बहार ले गए। मगर सोचनीय विषय यह भी हे कि, जब ट्रक केमरे की निगरानी में खड़ा है तो चोर व सेटिंगबाज पुलिस कर्मी का भी पता लग सकता या फिर ये भी कहानी बनाई जा सकती है की केमरे बाद में लगे या फिर जिस समय ट्रक में से टायर खोलते समय लाइट चली गई हो ये भी समझ के परे है... !

शहर वासियों का कहना है कि, जो ट्रक 19 टन गेहूं भरकर 4 किलोमीटर का सफर तय करके शाजापुर आरटीओ अंबिका प्रसाद श्रीवास्तव की गाडी के साथ व आरटीओ के साथ आए पुलिस कर्मी गाडी में बैठेकर गए उसके कुछ महीनों बाद 4 टायर वा बैटरी केसे गायब हो गए या फिर हवा में उड़ गए, ये भी सोचनीय विषय है... ! शुजालपुर सीटी थाने से किसकी सेटिंग से टायर थाने के बहार गए और कोन ले गया ये भी माही की गूंज में आगमी अंक में पता लगाया जाएगा। जब इस संबंध में थाना प्रभारी सौरभ शर्मा से जानकारी लेना चाही तो उन्होंने फोन उठाना उचित नहीं समझा।

370 करोड़ का महाकाल लोक घोटाला, शिव "राज" के संज्ञान में हुआ घोटाला

भ्रष्टाचारियों को बचा रहे, उनको मलाईदार पोस्टिंग मिली प्रतिवर्ष करोड़ों की दान राशि का कर रहे बंदरबांट

मूर्ति की उम्र मात्र 10 वर्ष, तो क्या 10 वर्ष बाद वहा पेड़ लगाएंगे- पारस सकेलचा

माही की गूंज, रतलाम।

महाकाल लोक के निर्माण में 370 करोड़ का घोटाला हुआ है। अनाधिकृत समिति ने टेंडर की लागत को और शर्तों को मनमर्जी से परिवर्तित कर जमकर गोलमाल किया। शासन के संज्ञान में घोटाला आने के बाद भ्रष्ट अधिकारियों को बचाने का प्रयास किया जा रहा है। लोकायुक्त ने जब 15 अधिकारियों पर प्रकरण दर्ज कर 21 अक्टूबर 22 को नोटिस दिया तो शिव ÷राज÷ ने कार्यवाही करने वाले लोकायुक्त के डीएसपी कैलाश मकवाना का 3 दिसंबर 22 को लोकायुक्त से तबादला कर दिया।

जबकि उन्हें लोकायुक्त में पदभार ग्रहण किये मात्र 3 महीने ही हुए थे।मूर्ति के चयन में कमलनाथ सरकार के समय बनाई गई डीपीआर मे परिवर्तन किया गया। जो मूर्ति अष्टधातु की बनना थी उसके स्थान पर उसे उसी दर मे निम्न धातु की बनाया। गुजरात के ठेकेदार को काम दिया, 21जब मूर्ति की उम्र मात्र 10 साल हैं, तो क्या 10 साल बाद वहां पर मूर्ति हटाकर पेड़ लगाएंगे? महाकाल लोक के निर्माण में पारदर्शिता का अभाव है , तथा निर्धारित टेंडर प्रक्रिया का पालन किए बिना अनाधिकृत समिति ने बिना किसी वित्तीय अधिकार के निर्णय लिये है। जो भ्रष्टाचार की श्रेणी मे आते है ।महाकाल लोक के निर्माण में शासन द्वारा स्वीकृत राशि के अलावा करोड़ों की राशि महाकाल मंदिर में दान में प्राप्त हुई राशि में से खर्च की गई , जोकि वित्तीय अनियमितता है। पूर्व राष्ट्रपति महामहिम रामनाथ कोविंद के 29 मई 2022 को भगवान श्री महाकालेश्वर जी के दर्शन हेतु पधारने पर दान से प्राप्त राशि मे से 89 लाख रुपए खर्च कर दान की राशि का दुरुपयोग किया गया। जो गंभीर अपराध है। अधिकारियों ने दान की राशि को भ्रष्टाचार का चरागाह बना लिया और अपनी वाही वाही के लिए दान की राशि का नियम के विपरीत उपयोग कर रहे है। मंदिर ट्रस्ट की धारा के अनुसार दान में प्राप्त राशि का उपयोग मंदिर के निर्माण में, श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए तथा कर्मचारीयो के हित मे, वेतन -भत्ते मे खर्च किया जा सकता है। अन्य कार्य के लिए किया जाने वाला उपयोग आर्थिक अपराध की श्रेणी में आता है। इसके अलावा स्मार्ट सिटी के प्रोजेक्ट में मंदीर की ओर से विभिन्न रूप से करोड़ों रुपए दिए गए जोकि अनुचित है वह कार्य स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत किया जाना था और मंदिर की दान से प्राप्त राशि का उपयोग नहीं किया जा सकता। स्मार्ट सिटी के लिए 11 भवनों के अधिग्रहण के लिए 13.9 करोड़ रूपया दिया गया तथा सड़क चौड़ीकरण हेतु भूमि अधिग्रहण के 1.04 करोड़ रूपया का भुगतान किया गया। उज्जैन विकास प्राधिकरण को फैसिलिटी सेंटर के निर्माण कार्य के लिए 7.14 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया तथा शेष राशि 16.76 करोड का भुगतान उज्जैन स्मार्ट सिटी लिमिटेड के द्वारा करने का प्रस्ताव पास किया गया। जबकि फैसिलिटी सेंटर का निर्माण शासन द्वारा स्मार्ट सिटी मद मे किया जाना था। प्रबंध समिति में अधिकांश शासकीय अधिकारी है, कलेक्टर समिति के अध्यक्ष है तथा इसमें अशासकीय सदस्य हर मिटीग मे बदल रहे है। जनप्रतिनिधियों का सदस्य नहीं होने से कलेक्टर अपनी मनमानी कर रहे है। प्रशासनिक अधिकारी मंदिर की दान राशि का जमकर दुरुपयोग कर रहे हैं।

जिले में इस जगह 6 जून से पंडित धीरेंद्र शास्त्री करेंगे कथा

माही की गूंज, मंदसौर।

सीतामऊ तहसील के ग्राम खेजड़िया में 6 जून से 9 जून अब तक की मंदसौर जिले की सबसे बड़ी कथा का आयोजन होने जा रहा हैं। बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र शास्त्री यहां तीन दिन तक हनुमंत कथा करेंगे और एक दिन दरबार भी लगाएंगे। ग्राम खेजड़िया में होने वाली बागेश्वर धाम सरकार की हनुमंत कथा को लेकर शनिवार को खेजड़िया स्थित श्री चिंताहरण हनुमान मंदिर पर कथा सेवादारों की बैठक की गई। कथा में सेवा देने के लिए सेवादारों का जनसैलाब उमड़ पड़ा। हजारों-पुरुषों व महिलाओं ने बैठक में पहुंचकर कथा में सेवा देने के लिए अपने नाम नोट कराकर सेवा कार्य करने की इच्छा जताई है। अब समिति द्वारा सभी को अलग-अलग सेवा कार्य दिया जाएगा। बता दे कि बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री के श्रीमुख से श्री हनुमंत कथा का आयोजन सुवासरा विधानसभा के सीतामऊ तहसील अंतर्गत ग्राम खेजड़िया स्थित श्री चिंताहरण हनुमान मंदिर परिक्षेत्र में होगा। सीतामऊ तहसील के गांव खेजड़िया में 7 जून से दिव्य दरबार में हनुमत कथा प्रारंभ होगी। 6 जून को सुबह 8 बजे कलश यात्रा निकलेगी। 7 से 9 जून तक कथा होगी। कथा का समय शाम 4 बजे से रहेगा। 8 जून को दोप. 12 बजे से दिव्य दरबार में पर्चा देखा जाएगा। सेवादारों के साथ क्षेत्रीय विधायक व कैबिनेट मंत्री हरदीपसिंह डंग कथा की व्यवस्था को लेकर जुटे हैं। सैकड़ों भक्त व्यवस्थाओं की पूर्ति हेतु दिन-रात एक कर रहे हैं। पांच लाख भक्तों के आने की तैयारियां की जा रही है।

प्रतिवर्ष पांच से दस पौधे लगाकर उन्हें बड़ा करें- पाटीदार

माही की गूंज, बड़वानी।

शहीद भीमा नायक शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बड़वानी के स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्षन प्रकोष्ठ द्वारा आज प्राचार्य डॉ. एनएल गुप्ता के मार्गदर्षन में पर्यावरण चेतना पर कार्यषाला का आयोजन किया गया। इस कार्यषाला में हरित मालवा समिति, मालवा प्रांत, पर्यावरण गतिविधि, जिला प्रमुख, जिला-बड़वानी राम सागर मिश्रा, हरित मालवा समिति के बड़वानी जिले के पेड़ आयाम प्रमुख भागीराम जी पाटीदार एवं मध्यप्रदेष ऊजा विकास निगम लिमिटेड खंडवा के वी के दास ने मार्गदर्षन दिया।

पाटीदार ने कहा कि वनों की कमी होती जा रही है। प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम पांच से दस पौधे लगाकर उनकी देखरेख करते हुए उन्हें हरे-भरे पेड़ में परिवर्तित करना चाहिए। एक पेड़ राष्ट्र के नाम के अंतर्गत आप सभी इसमें योगदान दें।

मिश्रा ने कहा कि प्रदूषित होता पर्यावरण एक चुनौति है। पॉलिथिन पर्यावरण का बहुत बड़ा दुष्मन है। पानी की जो बोतल आप खरीदते हैं और पानी पीकर फेंक देते हैं तो वह पांच सौ सालों तक सड़ती नहीं है और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाती हैं। प्लासिटक के उपयोग से बचें तथा कपड़े के झोले का उपयोग करें। यह पर्यावरण की रक्षा की दिषा में बड़ा योगदान होगा। सिंगल यूज प्लास्टिक को पानी की प्लास्टिक की बोतल में बंद करके उसे सही तरीके से निस्तारित करें।

दास ने कहा कि जब भी हम घर से निकलें तो लाइट, पंखा आदि बिजली के उपकरण बंद करें। परिवार में प्रतिदिन कम से कम एक यूनिट ऊर्जा की बचत करें। कार्यषाला का समन्वय प्रीति गुलवानिया और सुरेष ने किया। संचालन वर्षा मुजाल्दे ने किया।

आभार पूनम पंडित ने व्यक्त किया। आयोजन में सहयोग राहुल भंडोले, सुभाष, उमेष किराड़, भियारी गुर्जर, तुषार गोले, सुनील मेहरा, अंकित काग, पूनम कुषवाह, दिलीप रावत एवं डॉ. मधुसूदन चौबे ने दिया।

अमझेरा अस्पताल के हाल-बेहाल मरीजों को नहीं मिल रहा समुचित इलाज

माही की गूंज, अमझेरा। विक्रम सिंह राठौर

महाराजा बखतावर सिंह सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र अमझेरा पर मरीजों का समय पर इलाज नहीं होने से उन्हे परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है तथा चिकित्सक भी समय पर उपलब्ध नहीं रहते है अस्पताल के मुख्य चिकित्सक सुशांत सिंह बहादुर का कहना है की यहा पर डॉक्टरो की कमी होने के कारण मरीजो को परेशान होना पड़ता है वही मरीजो का कहना है कि अस्पताल में समय और डयूटी चार्ट नही लगा है तथा एक दिन डॉ. बहादुर और एक दिन डॉ. तरूणा सिंगार द्वारा अस्पताल चलाया जाता है जब दोनों अवकाश पर रहते है तो अस्पताल कर्मचारियों के भरोसे चलता नज़र आता है तथा मरीज परेशान होते रहते है । इसके साथ ही अस्पताल में पेयजल व साफ-सफाई की कमी है तथा शौचालय भी गंदे रहते है । इस संबंध में बीएमओ भ्रमराज कौशल ने बताया कि अस्पताल में परेशानी को लेकर अस्पताल का निरीक्षण किया जाएगा।

मंडी अमले ने कि बिना अनुज्ञा परिवहन पर वसूला 1 लाख 4 हजार रुपए का जुर्माना

माही की गूंज, खरगोन।

कृषि उपज मंडी के उडनदस्ते ने जिले से गुजरकर तमिलनाडू की ओर जा रहे एक लोडिंग वाहन परिवहन में कर अपवंचन पाए जाने पर जुर्माने की कार्रवाई की है। कृषि उपज मंडी समिति के भारसाधक अधिकारी ओएन सिंह के निर्देशन में मंडी सचिव लक्ष्मणसिंह ठाकुर एवं मंडी उडनदस्ता दल द्वारा कृषि उपज के वाहनों के निरीक्षण में वाहन क्रमाक एपी 07 टीएम 8496 में परिवहन कृषि उपज लहसुन फर्म अमर ट्रैडिंग कम्पनी जावरा श्रीशालीग्राम ट्रेडिंग कम्पनी एवं बाबुलाल दिलीप कुमार कटारीया जावरा से परिवहन होकर तमिलनाडु जा रही थी, जिसमें मंडी शुल्क अपवंचन पाये जाने पर मंडी अधिनियम 1972 की धारा 19 (6) के उलंघन होने से तीनो फर्मों से मंडी अधिनियम 1972 की धारा 19 (4) के तहत् पांच गुना मंडी शुल्क राशि 89708 रुपए एवं प्रशमन शुल्क 15000 हजार रुपए इस प्रकार कुल राशि रूपये 1 लाख 4 हजार 708 रुपए वसूल किया गया।

आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत युवा उत्सव 2023 का आयोजन

माही की गूंज, खरगोन।

शहर के बीटीआई रोड स्थित सरस्वती विद्या मंदिर में बुधवार को युवा उत्सव का आयोजन किया गया। आयोजन में विभिन्न विधाओं में युवाओं ने हिस्सा लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। नेहरू युवा केंद्र, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि खरगोन-बड़वानी लोकसभा क्षेत्र सांसद गजेंद्र पटेल ने कहा कि, युवाओं में न सिर्फ देश में बल्कि विदेश में भी अपना नाम बनाने की क्षमता है। उन्होंने युवाओं को भारत सरकार के द्वारा कराए जा रहे युवा उत्सव कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया। विशेष अतिथि जिला पंचायत उपाध्यक्ष बापू सिंह परिहार ने भी युवाओं को राष्ट्रीय स्तर पर खरगोन का नाम रोशन करने के लिए शुभकामनाएं दी गई। युवा समाजसेवी रवि जायसवाल भी उपस्थित रहे। जिला युवा अधिकारी ने बताया कि नेहरू युवा केंद्र संगठन द्वारा पूरे भारत में उत्सव का आयोजन किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत पांच प्रण पर आधारित 5 प्रतियोगिता आयोजित की जा रही। इसमें युवाओं को नगद पुरस्कार भी दिया जा रहा है। कविता, चित्रकला, मोबाइल, फोटोग्राफी में प्रथम एवं द्वितीय विजेता राज्य स्तर पर प्रतिस्पर्धा करेंगे, भाषण एवं लोक नृत्य में प्रथम टीम राज्य स्तर पर जाएगी। राज्य स्तर पर जीतने वाली टीम राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करेगी।

यह रहे निर्णायक

कार्यक्रम में कविता विधा के निर्णायक के रूप में राजेंद्र गुप्ता, राकेश यादव, मोहन परमार रहे। चित्रकला में डॉ विजयलक्ष्मी साठे, डॉ. अनीता शुक्ला, दीपक यादव रहे। मोबाइल फोटोग्राफी के निर्णायको के रूप में फोटोग्राफर सूरज पाल, विनोद गोले एवं संजय कोचक रहे। सामूहिक नृत्य में निर्णायको के रूप में आनंद विभाग जिला समन्वयक केबी मनसारे, दीवान सिंह सोलंकी, भानु प्रताप रहे। भाषण प्रतियोगिता में अखिलेश शुक्ला, आशीष गुप्ता, जितेन कामले रहे।

यह रहे विजेता

प्रतियोगिता में प्रथम शिवानी पटेल, द्वितीय हर्षित पटेल एवं तृतीय राज नंदिनी सोलंकी रही। भाषण में तृतीय देवांश बोरगांवकर, द्वितीय मोहिनी कुशवाहा एवं प्रथम प्राची पाल रही। फोटोग्राफी में प्रथम लता कानसे, द्वितीय शिव वर्मा, तृतीय श्रेया सेन रही। कविता प्रतियोगिता में प्रथम नेहल कुशवाह, द्वितीय अंकित यादव एवं तृतीय अखिलेश पाटिल रहे। लोकमित्र टीमों में प्रथम चेतना मंडलोई डांस ग्रुप गोगावां, द्वितीय माहिष्मती लोक संस्थान कला केंद्र महेश्वर तृतीय जयसूर्या डांस ग्रुप झिरनिया रहा। कार्यक्रम में मेघा स्व. सहायता समूह एवं जन अभियान परिषद द्वारा स्टाल लगाई गई, जिसमें समूह की महिलाओं द्वारा घर पर बनाए गए उत्पाद की प्रदर्शनी लगाई गई। सांसद ने इस प्रदर्शनी का अवलोकन कर सराहना की गई।

वैदिक मंत्रोच्चार के साथ सम्पन्न हुआ मां बिजासन मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह

माही की गूंज, आम्बुआ।

इंदिरा आवास कालोनी में सोमवार को तीन दिवसीय त्रिदेवी माताजी की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव धूमधाम से सम्पन्न हुआ। समरोह में बड़ी संख्या में भक्तों की भीड़ उमड़ी। नवनिर्मित सुंदर मन्दिर में राजस्थान के पंडित राम शास्त्री एवं अन्य पुजारियों ने विधि विधान ओर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ बिजासन माताजी, चामुंडा माताजी, दशा माताजी ओर भगवान शिव परिवार की प्राण प्रतिष्ठा की।पूर्णाहुति के बाद मन्दिर पुजारी भगीरथ भाई चौहान एवं अन्य अतिथियों ने महाआरती की।

महाप्रसादी के रूप में कांग्रेस नेता महेश पटेल एवं नपा अध्यक्ष सेना पटेल के सौजन्य से विशाल भंडारे का आयोजन हुआ। समारोह में बड़ी संख्या में भक्तगण शामिल हुए और भंडारे में भोजन प्रसादी का लाभ लिया। उल्लेखनीय है कि, इस प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर कस्बे में तीन दिन तक धार्मिक माहौल रहा। शनिवार को कलश यात्रा, रविवार को चंडी हवन यज्ञ समारोह आयोजित हुए थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में महंत चन्द्रेश्वर जी भारती महाराज, मप्र वनविकास निगम के अध्यक्ष माधुसिंह डावर, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेश पटेल, आम्बुआ सरपंच रमेश रावत, शहर कांग्रेस अध्यक्ष हासिम अली बोहरा, भाजपा नेता भरत माहेश्वरी, जगदीश गुप्ता, सुरेश वाणी, कांग्रेस नेता अमान पठान, मुस्तुफा बोहरा, रामचन्द्र माहेश्वरी, राहुल परिहार आदि सहित बड़ी संख्या में महिला पुरुष श्रद्धालु एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

रात में तेज आंधी तथा बारिश, दिन में तेज धूप ने हलाकान किया

आंधी में तंबू तथा बैनर पोस्टर उड़े, पेड़ गिरा, आम तथा महुआ डोली को भारी नुकसान

माही की गूंज, आम्बुआ।

आम्बुआ तथा आसपास के क्षेत्र में मौसम कभी भी बदल जा रहा है, जिसका क्षेत्र में कोई पूर्वानुमान नहीं होने से लोगों को परेशानी हो रही है। 28- 29 मई की दरमियानी रात भी अचानक मौसम बदला बादलों की गर्जना के साथ तेज आंधी पानी ने भारी तबाही मचाई। वही सुबह मौसम साफ होने से दिनभर तेज गर्मी से परेशान होते रहे इधर बिजली की लुका छुपी ने परेशान कर दिया।

मिली जानकारी के अनुसार क्षेत्र में मौसम का मिजाज समझ से परे होता जा रहा है। कभी ठंडी हवा तो कभी तेज धूप के बीच 28-29 मई की रात मौसम बदला जिस कारण तेज आंधी बादलों की कड़क के बीच तेज वर्षा के कारण दुकानों के बाहर लगे तंबू आदि या तो फट गई या फिर नीचे आ गिरे प्रतिष्ठानों के बाहर लगे साइन बोर्ड बधाईयों के फ्लेक्स आदि जमीन पर आ गिरे कई स्थानों पर पेड़ उखड़ने की खबर है। इस आंधी वर्षा से आम तथा महुआ पर लगी डोली (फल) जमीन पर आ गिरे जिससे किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। इधर बिजली की लुका छुपी आज से लेकर समाचार लिखे जाने तक जारी थी। जिस कारण कई महत्वपूर्ण तथा ठंडा बिक्री करने वाले व्यवसाई परेशान होते रहे।

जिपं अध्यक्ष की अध्यक्षता में आयोजित हुई जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक

माही की गूंज, अलीराजपुर।

जिला पंचायत अलीराजपुर की सामान्य सभा की बैठक जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अनीता चौहान की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभिषेक चौधरी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती सुरेखा ठकराला, विधायक प्रतिनिधि द्वय विशाल रावत, खुर्शीद अली दीवान, जिला पंचायत सदस्यगण भदू पचाया, रायसिहं भयडिया, बाबुसिंह सिंगाड, मांगीलाल चौहान, ठाकुरसिंह अजनार, सुश्री हजरी अजनार, श्रीमती रिंकू बाला डावर सहित अन्य विभागीय अधिकारीगण उपस्थित थे। बैठक में सर्वानुमति से जिला पंचायत सदस्यों के वार्डवार विकास कार्यों को लेकर चर्चा और प्रस्ताव तथा कार्यों के लिए अनुमोदन किया गया। बैठक में वर्ष 2023-24 के लिए विकास कार्यों के प्रस्तावों को लेकर चर्चा करते हुए विचार विमर्श किया गया। बैठक में जिला पंचायत सदस्यगण ने अपने-अपने विचार व्यक्त किये। बैठक में स्वीकृत विकास कार्यों की रूपरेखा एवं स्वागत उद्बोधन तथा आभार मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभिषेक चौधरी ने माना।

पेसा मोबिलाइजर के साथ जनपद सभाकक्ष में क्रियान्वयन की समीक्षा बैठक हुई सम्पन्न

माही की गूंज, सोंडवा।

पेसा एक्ट मध्यप्रदेश पंचायत उपबंध अनुसूचित क्षेत्रों में विस्तार अधिनियम 2022 के तहत, बनी समितियों, ग्राम सभा के अध्यक्ष शांति एवं वाद निवारण समिति के सदस्य ग्राम पंचायत सरपंच, पेसा मोबिलाइजर के साथ जनपद सभाकक्ष में पैसा क्रियान्वयन की समीक्षा बैठक हुई। जिसमें राज्यपाल के विधि सलाहकार जनजाति प्रकोष्ठ के भंगू सिंह रावत व पेसा जिला समन्वयक प्रवीण चौहान, सोंडवा पैसा ब्लॉक समन्वयक नान सिंह चौहान, सोंडवा एसडीएम सुश्री प्रियांशी भंवर, एसडीओपी श्रीमती श्रद्धा सोनकर, सोंडवा के प्रभारी तहसीलदार हर्षल बहरानी, थाना प्रभारी एसएस बघेल उपस्थित थे।

बैठक में राजभवन से पधारे रावत ने बताया कि, पैसा हमारे जनजाति समाज के लिए एक वरदान है जो प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मध्यप्रदेश में पैसा नियम लाकर जनजाति समाज को सशक्त बनाने के लिए महत्वपूर्ण कार्य किया। पेसा एक्ट में जनजातिय समाज के हक अधिकार और संस्कृति, सभ्यता, रीति रिवाज, रूडी प्रथाएं का संरक्षण करता है एवं हमें अधिकार देता है। हमारे गांव के जल, जंगल जमीन, गौण खनिजों, लघु वनोपज, तालाबों पर मछली पालन करना छोटे-छोटे पोखरा जल प्रबंधन करना ग्राम सभा का अधिकार है।

पेड़ से टकराई कार और 4 लोग जिंदा जल गए

हरदा। जिले के एक गांव नौसर के पास एक दर्दनाक हादसा हो गया। यहां ऑल्टो कार टायर फटने की वजह से अनियंत्रित हुई और एक पेड़ से टकरा गई। इसके बाद इस कार में आग लगई। कार में आग लगने से कार में सवार 4 लोग जिंदा जल गए। कार के पेड़ से टकराते ही उसमें आग लग गई थी। कार सवारों को बाहर निकलने तक का मौका तक नही मिला। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और कार में जले लोगों की शिनाख्त की गई है। मिली जानकारी अनुसार कार सवार फोटोग्राफी का कार्य करते हैं और दीप गांव में एक शादी समारोह से वापस लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में यह हादसा हुआ है। टिमरनी पुलिस अनुसार सभी के शव बुरी तरह जल गए हैं। मरने वालों में एक शख्स की पहचान अखिलेश के तौर पर हुई है। इसके अलावा अखिलेश कुशवाह के भाई राकेश कुशवाहा, राकेश की पत्नी शिवानी कुशवाहा, और फोटोग्राफर आदर्श चौधरी के रूप में हुई है। राकेश की शादी अभी 6 महीने पहले ही हुई थी। सभी की उम्र 25 से 30 वर्ष के करीब बताई जा रही है। अब पुलिस इस मामले में छानबीन कर यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि आखिर कार का एक्सीडेंट कैसे हुआ और कैसे यह सभी लोग कार के अंदर फंस गए?

दरवाजे पर खड़ी रह गई बारात, प्रेमी संग फरार हुई दुल्हन

मुरैना। जिले में एक अजीबोगरीब वाकया सामने आया है। ब्यूटी पार्लर में जेवर पहनकर सजने के लिए गई दुल्हन अपने प्रेमी के साथ वहां से भाग निकली। इधर बैंड-बाजे के साथ धूमधाम से दूल्हा घोड़ी चढ़कर दरवाजे पर पहुंचा, उधर दुल्हन ब्यूटी पार्लर के बहाने प्रेमी के साथ मंडप से भाग गई। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित आनंदी वाटिका का है। दुल्हन के गायब होने के बाद शादी स्थगित हो गई। इस घटना से एक ओर लड़के वाले के परिवार की प्रतिष्ठा धूमिल हो गई तो वहीं दूसरी ओर लड़की के परिवार ने उन्हें थाने में रिपोर्ट कराने पर जान से मारने की धमकी तक दे डाली। दूल्हे के भाई ने पुलिस थाने में शिकायती आवेदन देते हुए जेवर-कपड़े वापस दिलवाने की मांग की है।

गर्ल्स स्कूल रोड निवासी दीपक उर्फ योगेश वर्मा की शादी धौलपुर राजस्थान के बाड़ी निवासी शिल्पी सोनी के साथ तय हुई थी। दोनों की शादी का कार्यक्रम सोमवार-मंगलवार की रात शहर के आनंदी वाटिका में चल रहा था। जब रात में बैंड-बाजे के साथ धूमधाम से दूल्हा घोड़ी चढ़कर दरवाजे पर आ गया। दूल्हा काफी देर तक दरवाजे पर खड़ा रहा, लेकिन लड़की नहीं आई। यह देखकर दूल्हा ओर अन्य बारातियों को शंका हुई। दूल्हे के भाई ने लड़की पक्ष के लोगो से बातचीत की तो उन्होंने बताया कि दुल्हन तैयार होने के लिए ब्यूटी पार्लर गई है। इसके बाद उन्होंने ब्यूटी पार्लर पर संपर्क किया तो पता चला कि दुल्हन यहां से किसी युवक के साथ मोटर साइकिल पर सवार होकर काफी देर पहले ही निकल गई है। यह सुनते ही दूल्हे का भाई दंग रह गया। उसने दुल्हन के पिता और भाई से बात की तो वे झगड़ा करने पर उतारू हो गए। दूल्हे के भाई का आरोप है कि, दुल्हन के परिजन उनके साथ गली-गलौच करते हुए अपने वाहन में सवार होकर घर चले गए।दूल्हे के भाई ने कोतवाली थाने में एक शिकायती आवेदन देते हुए सोने के जेवर व मोबाइल फोन वापस दिलवाने की मांग की है।उसका कहना है कि दुल्हन उनके 15 तोला सोने के जेवर व मोबाइल फोन लेकर भागी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि, सोमवार की रात दोनों पक्ष के लोगों के बीच किसी बात को लेकर अनबन हुई। जिसके बाद चर्चा तो यह भी है कि दहेज को लेकर कुछ दोनों पक्षों के बीच बात विवाद हुआ था। फिलहाल पुलिस इस मामले में हर बिंदुओं को नजर में रखते हुए जांच कर रही है। वही पूरे मामले को लेकर सब इंस्पेक्टर रत्ना जैन का कहना है कि, देर रात को एक राहुल वर्मा के द्वारा आवेदन दिया गया है। फिलहाल आवेदन के आधार पर हर बिंदु को नजर में रखते हुए जांच की जा रही है और जो भी निकल कर सामने आएगा उसी के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

गायत्री जयंती के अवसर पर नव चेतना विस्तार केंद्र पर हुआ यज्ञ का आयोजन

माही की गूंज, चं.शे. आजाद नगर।

गायत्री जयंती, गंगा दशमी, गंगा मैया के अवतरण दिवस पर नवचेतना विस्तार केन्द्र में यज्ञ, आरती व प्रसादी का आयोजन गायत्री परिवार के परिवाजक प्रकाश नारायण नागर द्वारा किया गया। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष निर्मला डावर, नव चेतना विस्तार केंद्र के वरिष्ठ गायत्री परिजन बाबूलाल वाणी, आनंद शाह, अमर सिंह अखाड़िया, भारतसिंह अजनार, हेमेन्द्र गुप्ता,कन्हैयालाल बसेर, सुभाष निगम, डॉक्टर गौरव नागर, भावना गुप्ता, अंकिता नागर, अनिता जोगचंद सहित नगर के कई गायत्री परिजन ने उपस्थित रहकर यज्ञ, आरती, प्रसादी का लाभ लिया।

आज होगा आदिवासी वीर शिरोमणि राणा पूंजा भील की मूर्ति का अनावरण

माही की गूंज, आम्बुआ।

आम्बुआ कस्बे के बाहरी क्षेत्र आम्बुआ-जोबट तिराहे पर नवनिर्मित चबूतरे पर विराजित की गई राणा पूंजा भील के गाता का अनावरण आज 1 जून गुरुवार को किया जाएगा।

मिली जानकारी भील सेना के प्रमुख शंकर सिंह बामनिया तथा प्रदेश अध्यक्ष रमेश बघेल के अनुसार वीर शिरोमणि राणा पूंजा भील की गाता (मूर्ति) को जोबट तिराहे के पास नवनिर्मित चबूतरे पर कार्यकर्ताओं ने अभी रखा हुआ है, जिसे सफेद परिधान (वस्त्र) से ढका गया। 1 जून को आदिवासी समाज के गुरु भंवरलाल परमार तथा भील प्रदेश संयोजक मांगीलाल निनामा तथा भील समाज के कई वरिष्ठों की मौजूदगी में गाता (मूर्ति) का आज किया जाएगा। इस कार्यक्रम को गरिमामय बनाने हेतु समाज जनों को आमंत्रित किया गया है। एक अनुमान के मुताबिक हजारों की संख्या में भील समाज के अलीराजपुर, झाबुआ, समीप प्रदेश गुजरात से नागरिक उपस्थित रहेंगे।

कन्या शिक्षा परिसर का बोर्ड परीक्षा परिणाम रहा शत प्रतिशत

१० छात्राओं को मुख्यमंत्री लैपटॉप योजना का मिलेगा लाभ

माही की गूंज, चं.शे. आजाद नगर।

शासकीय कन्या शिक्षा परिसर अंतर्गत कक्षा 10वीं व 12वीं बोर्ड 2023 का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। परिसर की कक्षा 12 वी के 10 छात्राओं को मुख्यमंत्री लैपटॉप योजना का लाभ मिलेगा। ग्राम संदा में स्थित शासकीय कन्या शिक्षा परिसर वर्ष 2023 अंतर्गत अध्ययनरत कक्षा 10 वी में दर्ज 61 छात्राओं में से 55 छात्रा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुई जबकि से 6 छात्राएं द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण हुई। कक्षा 12वीं में दर्ज 45 छात्राओं में से 43 छात्राएं प्रथम श्रेणी में उतीर्ण हुई जबकि 2 छात्राएं द्वितीय श्रेणी में उतीर्ण हुई।

संस्था प्रभारी प्राचार्य व बीआरसी राजेन्द्र बैरागी ने बताया कि, संस्था शिक्षक-शिक्षिकाओं के नियमित कक्षाओं के अतिरिक्त विषय विशेष की विशेष रेमेडियल कक्षाओं के चलते व उनके अथक प्रयासों से दोनों बोर्ड कक्षाओं का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा।

संस्था के शत प्रतिशत परीक्षा परिणाम पर छात्र-छात्राओं व विद्यालय स्टाफ को सहायक आयुक्त आदिवासी विकास जेएस डामोर, एसडीएम सुश्री जानकी यादव, तहसीलदार जितेन्द्रसिंह तोमर, बीईओ विनोद कुमार कोरी व उत्कृष्ट विद्यालय संस्था प्राचार्य निलेश शाह, मंडल संयोजक दिनेश बड़गोत्या, शिक्षक लालसिंह बामनिया, हेमेन्द्र गुप्ता तथा संस्था शिक्षक मालसिंह बामनिया, दिनेश नरवरिया, सौम्या शर्मा, सेन मेडम, देवला परमार, कलसिंह भाबर ने बधाई देते हुवे उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इन दस छात्राओं को मिलेगा लैपटॉप योजना का लाभ

कन्या शिक्षा परिसर की कक्षा 12वी की छात्रा गीता ईडा भयड़िया, गली राम सिंह भूरिया, दर्शना डुमा चौहान, शीतल बदिया चौहान, सोनिया मुकेश ठकराव, रंजना प्रताप सिंह सोलंकी, सोनी भुरसिंह गाडरिया, जिगना महेश परमार, रितिका परसान डावर, अनिता सेवला कोचरा को लैपटॉप योजना का लाभ मिलेगा।

वारंटी को गिरफ्तार करने डीजे के साथ बाराती बन आई गुजरात पुलिस

अवैध शराब बेचने वाले आरोपी की गिरफ्तारी के बाद गुजरात एसपी ने झाबुआ एसपी को दी आरोपी के घर बड़ी मात्रा में शराब होने की सूचना

झाबुआ जिले की पुलिस ग्वाली में अवैध शराब पकड़कर लूट रही वाहवाही लेकिन अब तक मुख्य आरोपी तक नही पहुंच पा रही पुलिस

माही की गूंज, झाबुआ। मुज्जमील मंसुरी

जिले में अवैध शराब का कारोबार किस बड़े स्तर पर है और किस तरह से पुलिस व आबकारी के संरक्षण के साथ जिले में हो रहा है, यह जिले की जनता पूरी तरह से वाकिफ है। मानो हमारी पुलिस ने तो इन शराब माफियाओ के आगे प्रतिमाह गांधी छाप लेकर अपनी वर्दी गिरवी रख पूरी तरह से उनके कदमों में नतमस्तक हो चुके हैं।

झाबुआ जिले की पुलिस की बात करें तो यह सिर्फ अपना टारगेट पूर्ति हेतु शराब विक्रेताओं से प्रतिमाह प्रकरण लेकर किसी मुलाजिम के नाम से अपराध दर्ज कर अपनी खानापूर्ति करती है। वही कोई बाहरी क्षेत्र से शराब लेकर आता है या परिवहन करता है कि, शिकायत ठेकेदार के माध्यम से मिलती है तो ऐसे में भी हमारी पुलिस बिना कोई कोताही के माफिया रूपी आकाओ के निर्देश पर शराब पकड़ी जाती है या फिर कभी कभार कोई मजबूत व ठोस शिकायतकर्ता अवैध शराब की शिकायत करता है तो ही मजबूरन में पुलिस के कहे जाने वाले आका शराब माफिया की शराब परिवहन के दौरान या फिर ठेकेदार द्वारा एजेंट को दी हुई शराब को पकड़कर पुलिसिया कार्रवाई करने की वाह-वाही पुलिस लुटती हे।

ऐसी ही पुलिस की वाह-वाही लूटने वाली शराब जब्ती का मामला मेघनगर थाने की रंभापुर चौकी क्षेत्र के.ग्राम ग्वाली में भी देखने को मिला। बता दे, 26 मई को मेघनगर थाने एवं रम्भापुर चौकी की पुलिस ने 184 पेटी अवैध शराब की गुजरात सीमा से सटे ग्राम ग्वाली में घर के अंदर रखी अवैध शराब कीमत करीब 9 लाख 62 हजार की जप्त कर

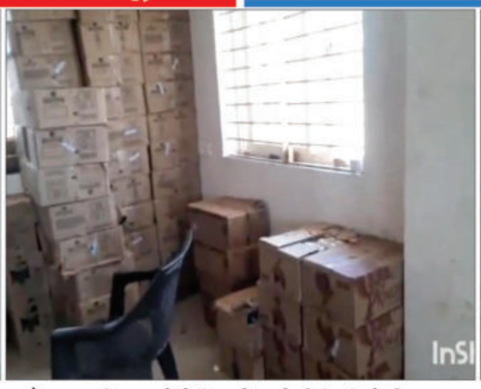

जोसिंग पिता धना सिंगाड़िया के विरुद्ध मामला दर्ज किया। पुलिस उक्त कार्रवाई को अपनी कामयाबी बताकर वाह-वाही लूट रही है पर असल बात कुछ और ही है ।

आखिर क्यों आई वेश बदल व बाराती बन गुजरात पुलिस

गूंज के विश्वसनीय मुखबिर जो अवैध शराब के कारोबार की पुख्ता जानकारी रखते हैं ने ग्वाली में पुलिस द्वारा पकड़ी गई शराब के बारे में बड़ी दिलचस्प बात बताई। मुखबिर ने हमें समझाकर बताया कि, पत्रकार भैया यह एक सामान्य सी बात है कि, अगर गुजरात पुलिस, एमपी सीमा में आती है और वह भी डीजे के साथ नाचते हुए और बाराती बनकर किसी आरोपी को पकड़ने के लिए तो वह आरोपी कोई बड़ा ही होगा और वह कई अपराधों में लिप्त होगा। ऐसी स्थिति में ही गुजरात पुलिस रंभापुर चौकी के मांडली क्षेत्र के ग्वाली में पहुंची और यहां के पीदिया सिंगाड़िया को गिरफ्तार कर गुजरात ले गई।

कौन है यह पीदिया

हमने मुखबीर से पूछा भाई ये पीदिया कौन है...? तो मुखबिर ने बताया पत्रकार भय्या मैं आपको पहले ही बता चुका हूं कि, कोई छोटा व्यक्ति होता तो गुजरात पुलिस को वेश बदल कर पिदिया को गिरफ्तार करने नहीं आना पड़ता। पत्रकार भय्या पीदिया एक ऐसा अवैध शराब विक्रेता है जो मांडली से ग्वाली होकर जो भी अवैध शराब जाती है वह पीदिया के घर पर पहुंचने के बाद ही जाती है। यहां का शराब ठेकेदार कोई भी हो मांडली से गुजरात तक शराब पहुंचानी है तो बिना पीदिया के संपर्क से अवैध शराब का परिवहन नहीं कर सकता है।

मुखबिर ने बताया, गुजरात में करीब 50 से भी अधिक शराब मामले में प्रकरण पिदिया के नाम से दर्ज है। वही मुखबीर बताता है 500 से 1000 पेटी शराब तो कम से कम पिदि्या के यहां उनके परिवार के घरों में हर समय रहती ही है और यह पूरी शराब मांडली ठेकेदार की शराब दुकान से ही आती है। लेकिन स्थानीय पुलिस कोई कार्रवाई इस अवैध शराब विक्रय पर नहीं करती है। 26 मई को गुजरात पुलिस वेश बदलकर बाराती बनकर पीदिया के यहा शराब पीने के बहाने शराब लेने गुजरात पुलिस पहुंची। पुलिस ने जैसे ही शराब पीदिया से मांगी तो पीदिया के पठे शराब लेकर आए, इसी दौरान गुजरात पुलिस ने पिदिया का घेराव कर उसे गिरफ्तार कर गाड़ी में बिठा कर गुजरात ले गए। वहीं गुजरात पुलिस ने पिदिया के घेराव के दौरान जिस घर में बड़ी मात्रा में शराब देखी उस घर की निशान देही कर दाहोद जाने के बाद गुजरात एसपी ने झाबुआ एसपी को उक्त मकान व स्थान पर रखी अवैध शराब की पुख्ता जानकारी दी। जिसके बाद खिसियानी बिल्ली की तरह चुपचाप मेघनगर थाने में शराब जप्त करने के निर्देश झाबुआ एसपी से प्राप्त होने के बाद रंभापुर एवं मेघनगर पुलिस ग्वाली पहुंची और पिदिया के परिवार का सदस्य जोसिंग के घर पहुंची जहां से पुलिस ने 9 लाख 62 हजार रुपये की अवैध शराब जप्त की।

अब भी पुलिस मुख्य आरोपी को बचाने में लगी

गूंज के विशेष मुखबिर बताते है, मेघनगर-मांडली शराब ग्रुप की दुकान सोम डिसलरी ने ली है। लेकिन अलकेश बाकलिया काम्पीटीशन के साथ व्यापार नहीं करना चाहता नतीजन सोम डिसलरी के साथ भी सेंड़ीगेट बिठाकर वैध की आड़ में अवैध शराब का कारोबार स्थानीय पुलिस के संरक्षण के साथ कर रहे हैं। ग्वाली में मिली शराब भी मांडली शराब दुकान से ही परिवहन हुई है लेकिन स्थानीय पुलिस उक्त मामले में भी मकान मालिक के नाम से प्रकरण बनाकर मुख्य आरोपियों को बचाने लगी है। जबकि गुजरात में सप्लाई होने वाली उक्त शराब की बोतलें पर स्पष्ट रूप से बेच नंबर अंकित है और पुलिस चाहे तो उसी बेच नंबर के माध्यम से शराब किस दुकान से अवैध रूप से सप्लाई की गई है कि, जांच कर शराब सप्लाई करने वाले मुख्य आरोपी तक पहुंच सकती है। पर मुखबिर भी कहता है कि, यहां की पुलिस ने तो इन शराब माफियाओं के आगे अपनी वर्दी गिरवी रख तलवे चाटने वाली पुलिस मुख्य आरोपी तक पहुंचेगी ही नहीं, यह तय है।

शासकीय भूमि : भू-माफिया, प्रशासन के गठजोड़ से चल रही है दुकानदारी

पटवारी सेटिंग की मुख्य कड़ी, प्रशासन और भू-माफिया के बीच बनाता भ्रष्टाचार का पुल

माही की गूंज़, पेटलावद।

कहते हैं जो घर की संपत्ति की सुरक्षा नही कर सकता वो दुसरो की सुरक्षा क्या करेगा। न्यायालयो के दाव पेच के नाम पर उलझी करोड़ो नही अरबो की शासकीय भूमि पूरे विकास खण्ड में भू-माफियाओ के बिस्तर गर्म कर रही है और मूक दर्शक बना प्रशासन सब कुछ जानते हुए भी पालतू जानवर की तरह इन भू-माफियाओ के आगे सिर्फ दुम हिलाता फिर रहा है। बड़े-बड़े मामले शासकीय भूमियों से जुड़े प्रशासन के सामने आए, जिसे अनदेखा कर दिया गया। लेकिन जागरूक नागरिकों द्वारा कई मामले न्याय व्यवस्था के समक्ष मय प्रमाण प्रस्तुत किये गए, सरकारी रेकॉर्ड चीख-चीख कर भू-माफियाओ के चंगुल में पड़ी सरकारी भूमि की गवाही दे रहे है बाबजूद इसके राजस्व विभाग के कानों तक जु नही रेंग रही। या यूं कहें कि, गुलाबी गैंग के अहसान तले इतना दब गए हैं की सब कुछ साफ होने के बाद भी प्रशासन का पलड़ा भ-ूमाफिया की और झुका हुआ है और जहा प्रशासन को आवश्यकता होती है वहा गरीब लोगों को मौके से हटाकर अपना काम निकाल लेते हैं।

मामला बामनिया की शासकीय सर्वे नम्बर 104,105,106 और 107 का

पटवारी हल्का नम्बर 01 ग्राम बामनिया में शासकीय सर्वे नम्बर 104 से लगाकर 107 जिनका आफ दी रिकॉर्ड खुलासा पूर्व में माही की गूंज के माध्यम से किया गया कि, किस तरह सरकारी सर्वे नम्बर अलग-अलग कब्जे में जाकर निजी नम्बर में तब्दील होकर उसकी खरीद फरोख्त ओर सरकारी रेकॉर्ड में हेरा-फेरी की गई लेकिन प्रशासन ने इसकी सूद नही ली। इसके बाद शिकायतकर्ता श्रवण मालवीय द्वारा मामले की शिकायत पुराने प्रमाणित दस्तावेजों के साथ की जिसकी आधी अधूरी जांच में सर्वे नम्बर 107 के कुछ भाग ओर उस पर काबिज़ अतिक्रमणकर्ताओ को नोटिस देकर हटने का आदेश जारी किया गया। जबकि भूमि के क्षेत्र में कई और कब्जाधारी, सरकारी को निजी भूमि बताकर ब्रिकी करने वाले और राजस्व रेकॉर्ड में भूमि के हेरा-फेरी करने वाले तत्कालीन अधिकारीयो ओर कर्मचारियों को छोड़ दिया गया।

नही हटा अतिक्रमण, न्यायालय में उलझा मामला

लम्बे समय के बाद किसी सरकारी भूमि के मामले में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व ने सरकारी रेकॉर्ड अनुसार निजी बताई जा रही भूमि को सरकारी पाया और उससे अतिक्रमण हटाने के लिए आदेशित किया। लेकिन आदेश का पालन होता इससे पूर्व ही भूमि पर स्वामित्व का दावा करने वाले नाथू कटारा ने हाईकोर्ट में दिनांक 8 मई 2023 को 15 दिन का स्टे मिला था, जिंसमे पुनः निरीक्षण का कहा गया था जिसकी समय सीमा समाप्त हो चुकी हैं। वही शिकायतकर्ता भी जनहित याचिका के माध्यम हाईकोर्ट में अपील 17 अप्रैल 2023 को ही कर दी थी, जिंसमे हाईकोर्ट की डबल मजिस्ट्रेट बेंच द्वारा 8 मई को कलेक्टर झाबुआ को 6 हफ्ते में मामला जांच कर रिपोर्ट पेश करने को कहा गया।

सर्वे नम्बर 107 की विवादित शासकीय भूमि।

मिली जानकारी के अनुसार इस संबंध में कलेक्टर कार्यालय से नोटिस जारी हो चुके हैं और 6 जून की तारीख लगीं है, सम्भव है इसी तारीख पर निराकरण भी हो सकता है। क्योंकि कलेक्टर को दी गई समय सीमा लगभग समाप्त होने में है। हालांकि ऐसे मामलो में जमीन से जुड़े लोग मामले को न्यायलिक प्रक्रिया में उलझा कर सेटिंग जमा लेते हैं। ऐसे में राजस्व विभाग त्वरित कार्यवाही कर शासकीय भूमि खाली कर कब्जा नही करता लेकिन जहा प्रशासन का स्वार्थ जुड़ा होता है वहां से तुरंत अवैध कब्जे हटवा दिए जाते हैं।

प्रशासन और भू-माफिया की कड़ी पटवारी

सरकारी भूमियों से जुड़े मामलों में पटवारी मुख्य भूमिका में होते है, जिनकी जमीनी स्तर से सरकारी सर्वे नम्बरो ओर उनकी सीमाओं का ज्ञान होता है। ऐसे पटवारी की साठ-गांठ के जरिये ही शासकीय भूमि को निजी बनाया जा रहा है और शिकायत होने पर जब नपती की जाती है तो पटवारी उसके हिसाब से घुमा फिरा कर नपती कर दी जाती है। बामनिया में एक ही भूमि की दो बार हुई नपती के अलग-अलग परिणाम सामने आ चुके हैं। जब सर्वे नम्बर 104 में टंट्या मामा की मूर्ति स्थापित करने की मांग की गई थी, जब हुई भूमि की नपती में पास की भूमि निजी निकली थी। वही भूमि बाद में सरकारी निकली और उस पर अवैध कब्जा हटाने के आदेश जारी किए गए।

विकास खण्ड के 60 सरपंचों ने जिला कलेक्टर को सौंपा 20 सूत्रीय मांग पत्र

शासन के कड़े नियमो के साथ काम कर पाना मुश्किल, नही मिल रहे निर्माण कार्य

सरकारी दिखावा साबित हो रहा पैसा एक्ट- सरपंच संघ जिलाध्यक्ष गामड़

माही की गूंज, पेटलावद।

मंगलवार को पेटलावद विकास खण्ड के लगभग 60 सरपंचों ने झाबुआ पहुचकर जिला कलेक्टर तन्वी हुड्डा को सरकार की नीतियों से सरकारी कार्य करने में हो रही परेशानियों से अवगत करवाते हुए, शासन ने नियमो के कारण ग्राम पंचायत स्तर पर कार्य नही हो पाने की जानकारी दी। सरपंच संघ ने सरकारी की नीतियों पर बड़े सवाल करते हुए पैसा एक्ट को केवल सरकार का दिखावा और कागजी घोड़ा बता दिया। ज्ञात है कि, 2022 जून में सम्पन्न पंचायत चुनाव को लगभग एक वर्ष पूरा होने आया ओर सरपंच ग्राम पंचायतों में कार्य नही कर पाए न ही ग्राम पंचायतों की और से दिए गए कार्य स्वीकृत हुए, जिससे एक साल ने ही कई ग्राम पंचायतों में सरपंचों का विरोध शुरु हो गया। सरपंच संघ के जिलाध्यक्ष विकास गामड़ ने बताया कि, सरकार ने कड़े नियमो के चलते कार्य नही कर पा रहे हैं एक ओर सरकार एक बार मे बीस कार्य दे रही है, वही दूसरी ओर कार्य पूर्ण होने के बाद भी सीसी जारी नही हो रही और न ही भुगतान। जिससे कागज पर कार्य अधूरे बताये जा रहे और नए काम नही जुड़ रहे। मनरेगा से लेकर 15 वित्त आयोग की राशि के भुगतान में भी नियम कड़े है निर्माण कार्य करने से पूर्व मटेरियल के लिए भुगतान नही किया जा रहे। रोजगार सहायकों के द्वारा मनमाने ढंग से कार्य किया जाता है इनके स्थानंतरण की पॉलिसी लागू तक नही की जा रही है और भी कई ऐसी व्यवस्था है जिससे सरपंचों को काम करने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। सरपंच संघ के जिलाध्यक्ष विकास गामड़ ने सरकार के लागू किये गए पैसा एक्ट पर भी सवाल खड़े किए और कहा कि, सरकार पैसा एक्ट लागू कर अपने नियम आदिवासी क्षेत्रों में थोप रही है और कार्य करने के लिए समय से राशि उपलब्ध नही करवाई जा रही हैं। हर विकास खण्ड में करोड़ो रूपये का पुराना भुगतान बाकी है, जिससे नए भुगतान नही हो रहे और कार्य करने में परेशानी आ रही है। सरपंच संघ द्वारा की गई मांग को मुख्यमंत्री तक भी भेजने की मांग की गई हैं और व्यवस्था में सुधार नही होने की दशा में मुख्यमंत्री के आयोजनो का विरोध करने का कहा। मामला सामने के बाद प्रशासन ने दो टूक कहा कि, जो शासन के नियम है उसके अंतर्गत हो कार्य होंगे।

चुनाव में उठाना पड़ सकता है नुकसान

पेटलावद में ज्यादातर पंचायतो में नए सरपंच जीत कर आये हैं और उनके पास कामो का अभाव है साथ शासन की योजनाओं का लाभ समय से नही मिल पा रहा। पिछ्ले भुगतान सहित नए भुगतान भी समय पर नही हो पाने के चलते सरपंचों में आक्रोश व्याप्त है। सरकार के नुमाइंदों की और से इस विषय पर कोई सहयोग नही होने से सरकार के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है। जिसका खामियाजा भाजपा को उठाना पड़ सकता है।

डॉयल 100 अब जुगाड़ पर, 6 वर्ष पहले मिली थी सौगात

कंपनी का टेंडर भी खत्म और पुराने वाहन पहुंच गए कबाड़ में

माही की गूंज़, झाबुआ।

जिले को यूं तो 6 वर्ष पूर्व एक बहुत ही अच्छी सौगात मिली थी। डॉयल 100 के जिले में आने से आमजन को बहुत उम्मीदें थी। मगर महज 6 वर्षों में जिले को सौगात के रूप में मिले डॉयल 100 के अत्याधुनिक वाहन कबाड़ में पहुंच चुके है। जिस कंपनी ने इन वाहनों के संचालन और मेंटेनेंस का टेंडर लिया था उसकी समयावधी पूरी हो चुकी है और इसी के साथ महज पांच वर्षों में ही डॉयल 100 के वाहन कंडम अवस्था में पहुंच चुके है। जब तक यह डॉयल 100 वाहन चलते रहे तब तक व्यवस्थाएं ठीक-ठाक थी, लेकिन इन वाहनों के कंडम होते ही यह व्यवस्था अब पूरी तरह से जुगाड़ पर निर्भर हो चुके है। जुगाड़ भी ऐसा कि, आमजन को मालूम ही ना पड़े की यह डॉयल 100 वाहन है। ठेके की समयावधी पुरी होने और वाहनों के कंडम होने के बाद पुलिस विभाग ने निजी वाहनों को इस काम के लिए हायर किया जिनकी हालत भी अत्यंत दयनीय ही है। शहर के आसपास व शहर में जहां-तहां पाईंट बनाकर खड़ी रहने वाली डॉयल 100 अब कहीं नजर तक नहीं आती।

2017 के आसपास जिला पुलिस और जिले की आमजनता को डॉयल 100 के नाम से एक बेहतरीन व्यवस्था सौगात के रूप में दी गई थी। इस सौगात के मिलने पर पुलिस विभाग और जिले की आमजनता फुले नहीं समा रही थी। लेकिन समय के साथ देखते ही देखते यह सौगात जमीन से नदारद हो गई। इन डॉयल 100 वाहनों की बदोलत पुलिस विभाग को कार्य कारने में काफी सहायता मिल रही थी। मगर अब स्थिति कुछ अलग ही नजर आ रही है। चूंकि जिस कंपनी ने पूरे प्रदेश में डॉयल 100 वाहनों के संचालन और मेंटेनेंस का जिम्मा टेंडर के जरिए पांच वर्ष के लिए लिया था वह समयावधी अब कब की पूरी हो चुकी है। 2017 में मिली इस सौगात के पांच वर्ष पिछ्ले साल ही पूर्ण हो चुके है। टेंडर का यह समय बीतने के पहले ही डॉयल 100 के सर्व सुविधायुक्त यह वाहन कंडम स्थिति में पहुंच गए थे। चूंकि ठेकेदार कंपनी का समय पूर्ण होने को था तो उस कंपनी ने वाहनों के मेंनटेनेंस पर कोई ध्यान नहीं दिया। देखते ही देखते समय निकल गया। कंपनी समय पूरा होने पर चल दी और करोड़ों रुपये के डॉयल 100 वाहन कबाड़ में पहुंच गए।

जहां-तहां कबाड़ और कंडम अवस्था में पड़े है करोड़ों के डॉयल 100 वाहन।

वैसे तो जिले को 2017 में 10 सर्व सुविधायुक्त डॉयल 100 वाहन दिए गए थे, मगर वर्तमान स्थिति में इन वाहनों में से शायद ही कोई वाहन जिले में अब नजर आता है। लगभग सारे डॉयल 100 वाहन कंडम स्थिति में पहुंचकर चलने लायक भी नहीं बचे है। उस पर सितम यह कि पुलिस विभाग ने ही इन्हे शहर के कई हिस्सों में कबाड़ स्थिति में फैंक दिया है। पुलिस विभाग ने इन्हे फिर से रिपेयर करवाने का सुधरवाने की सुध तक नहीं ली। अब हालात ऐसे है कि, कबाड़ में पड़े डॉयल 100 वाहनों से बदमाश सामन खोल-खोल कर ले जा रहे है और कबाड़ में बैच रहे है। कहीं कबाड़ में पड़े वाहनों से टायर गायब है तो कहीं कुछ और सामग्री वाहन से निकाली जा चुकी है। कुल मिलाकर अब अगर पुलिस विभाग इन्हे सुधरवाना भी चाहे तो नहीं सुधरा सकेगा। यह खुले तौर पर पुलिस विभाग का उदासीन रवैया और निकम्मापन ही कहा जाएगा। पिछ्ले साल यानि 2022 में नए डॉयल 100 वाहनों के आने की सुगबुगाहट सुनाई थी, लेकिन आज वर्तमान स्थिति तक नए वाहनों के कोई अते-पते नहीं दिखाई पड़ रहे। यह सुविधा आमजन को वापस कब तक मिल पाएगी इसकी भी कोई पुख्ता जानकारी उपलब्ध नही हो पाई है। पिछ्ले साल जब नए डॉयल 100 वाहनों की सुगबुगाहट सुनाई दी थी तो यह बताया जा रहा था कि, जिले में जर्जर अवस्था में चल रहे डॉयल 100 वाहनों की जल्द ही विदाई होने वाली है। इनके स्थान पर नए वाहन जिले को मिलेंगे। नए डॉयल 100 वाहन और अधिक सुविधाओं से लेस होंगे। इन वाहनों में अब कैमरे भी लगे होंगे, जिससे घटना स्थल की सीधे मॉनीटरिंग की जा सकेगी। इसके साथ वाहनों में स्ट्रेचर सहित अन्य कई सुविधा भी मिलेगी।

पिछ्ले पांच वर्ष पूर्व लोगों को मौके पर पुलिस सहायता पहुंचाने के लिए डॉयल 100 वाहन की सेवा उपलब्ध कराई गई थी। इसका टेंडर बीवीजी कंपनी को दिया गया था। पिछ्ले साल ही इस कंपनी के टेंडर की समयावधी पूरी हो चुकी थी, लेकिन इसे तीन माह के लिए स्टेंड किया गया था। वह अवधी भी पिछ्ले साल ही समाप्त हो चुकी है। कंपनी का टेंडर खत्म हुए लगभग एक वर्ष बीतने को है लेकिन नए डॉयल 100 वाहनों की सौगात जिले को अब तक नही मिल पाई है। बताया यह जा रहा था कि, बीवीजी कंपनी के स्थान पर 108 वाहन का संचालन कर रही जय अंबे कंपनी को नया टेंडर दिया जाएगा और वही नए डॉयल 100 वाहन उपलब्ध कराएगी। यह भी बताया गया था कि, होने वाले नए टेंडरों में इस बार शहरी क्षेत्रों के लिए इनोवा और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए बोलेरो वाहन उपलब्ध कराया जाएगा। मगर यह सपना पिछ्ले एक साल से सपना ही बनकर रह गया है। इससे आपात व्यवस्थाओं पर भी असर पड़ा है। अब चूंकि पुरानी कंपनी का टेंडर खत्म हो चुका है और डॉयल 100 के लगभग सभी वाहन कंडम स्थिति में पहुंच चुके है। तो पुलिस विभाग ने इनकी जगह जुगाड़ को दे दी है। अब डॉयल 100 की जगह ठेके पर अटैच कंडम वाहनों से काम लिया जा रहा है। इनकी भी संख्या में संदेह है कि, जिले में कितने वाहन डॉयल 100 के नाम पर चल रहे है। डॉयल 100 के नाम पर अटेच इन वाहनों में सुविधा नाम की कोई चीज नजर नहीं आती। केवल डेसबोर्ड पर वायरलेस सिस्टम लगा दिया गया है। इसके अलावा डॉयल 100 वाहन में उपलब्ध होने वाली तमाम सुविधाएं इन वाहनों से नदारद है। कुल मिलाकर पुलिस विभाग में अब डॉयल 100 पुर्ण रूप से जुगाड़ पर ही है।

जिला पुलिस कप्तान को चाहिए कि, सरकार से बातचीत कर इसमें आने वाली समस्याओं से आमजन को भी अवगत कराया जाए। इस ओर प्रभावी कदम उठाकर डॉयल 100 वाहनों की सौगात जिलेवासियों को वापस जल्द से जल्द दिलाई जाए। अगर ऐसा होता है तो इसका फायदा जिले की आमजनता के साथ-साथ पुलिस विभाग को भी होगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422